रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार
20 अगस्त -2026
वर्ष 10, अंक 346
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

दूर-दराज के इलाकों में अब डाकिए का इंतजार खत्म!

● आसमान से पहुंचेगी चिट्ठी-पार्सल, असम और हिमाचल में ड्रोन सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दराज के गांवों तक डाक पहुंचाने का तरीका बदलने जा रहा है। पहाड़ों और मुश्किल रास्तों के बीच अब डाक का इंतजार कम होगा। इंडिया पोस्ट ने दुर्गम इलाकों में डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में 12 जून से मंडी-रेहड़धार मार्ग पर इसकी शुरुआत हुई और अब असम में भी पहली ड्रोन उड़ान के साथ इस व्यवस्था का विस्तार किया गया है। विभाग का लक्ष्य असम और हिमाचल प्रदेश में करीब 150 निर्धारित मार्गों पर ड्रोन आधारित डाक सेवा शुरू करना है।

स्काई एयर मोबिलिटी के साथ साझेदारी

इंडिया पोस्ट ने इस पहल के लिए गुरुग्राम की ड्रोन वितरण और तकनीकी कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। इसके तहत ड्रोन खाता डाकघरों से शाखा डाकघरों के बीच डाक के बैग पहुंचाएंगे। कंपनी के मुताबिक प्रस्तावित नेटवर्क हिमाचल प्रदेश और असम में करीब 150 मार्गों को जोड़ेगा। इनमें हिमाचल प्रदेश के 110 और असम के 40 स्थान शामिल हैं। ड्रोन 10 किलोग्राम तक वजन ले जा सकते हैं और अलग-अलग दूरी वाले मार्गों पर काम करने के लिए तैयार किए गए हैं।

असम में पहली बार ड्रोन से पहुंची डाक- असम में इस सप्ताह पहली बार डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन उड़ाया गया। यह पहल उन इलाकों को ध्यान में रखकर की गई है, जहां खराब सड़क, लंबी दूरी, बाढ़ या कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सड़क मार्ग से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है। अकेले असम के करीब 40 मार्ग शामिल हैं।

दो घंटे का सफर अब करीब 7 मिनट में

इस तकनीक का असर हिमाचल प्रदेश के मंडी–रेहड़धार मार्ग पर साफ दिखाई दिया है। सरकारी जानकारी के मुताबिक, मंडी मुख्य डाकघर से रेहड़धार शाखा डाकघर की दूरी करीब 12 किलोमीटर है। पारंपरिक व्यवस्था में यहां पहुंचने में दो घंटे से ज्यादा समय लगता था। ड्रोन के जरिए यही डाक करीब 7 मिनट में पहुंचाई जा रही है। विभाग का कहना है कि इस व्यवस्था में वास्तविक समय में निगरानी की सुविधा भी है और इससे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में डाक सेवा को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार को एक और अमृत भारत की मिली सौगात

● भागलपुर को अहमदाबाद से जोड़ेगी, जनरल डिब्बे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार को एक और अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन दक्षिण बिहार के भागलपुर को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ेगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस ट्रेन की शुरुआती यात्रा आगामी 26 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होगी। हम बता रहे हैं इस ट्रेन का टाइम टेबल, चलने का दिन और स्टॉपेज के बारे में। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से भागलपुर के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिलेगी।

बिहार में छात्रों के समर्थन में आरजेडी का प्रदर्शन

● तेजस्वी यादव हिरासत में लिए गए, वाटर कैनन चलाई गई

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाक बंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई।

जेन जी को साधने में लगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

● तीन दिन की समन्वय बैठक में तय किया जाएगा रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर के साथ ही रांची में हुए छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी जोर युवाओं की ओर बढ़ा है। इसलिए 19 से 21 अगस्त के बीच विशाखापत्तनम में सरसंघचालक व सरकार्यवाह की मौजूदगी में भाजपा, एबीवीपी समेत 32 संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की अखिल भारतीय समन्वय बैठक होने जा रही है। इस बैठक में युवाओं को केंद्र में रखते हुए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

● सुप्रीम कोर्ट का आदेश, कहा-बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है।

● कोर्ट ने कहा-उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

लखनऊ के मकान से जुड़ा मामला

यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था। यह मकान उनकी खुद की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामला तब सामने आया, जब गुप्ता की 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। कोर्ट ने 15 नवंबर 2022 को बेटे की बेदखली का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण–पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों का आंदोलन हुआ खत्म

● सरकार के निर्णय के बाद प्रदर्शनकारियों ने लिया फैसला

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन समाप्त हो गया। बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। हालांकि दूसरे गुट के छात्र आगे की रणनीति पर बैठक कर रहे हैं और जल्द ही उनकी ओर से भी आंदोलन को समाप्त किए जाने की घोषणा किए जाने का संकेत दिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंचके छात्र नेता

रामावतार महतो ने फिलहाल अपने प्रदर्शन को समाप्त करने की। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से पिछले 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मंच की सभी प्रमुख मांगों को मान लिया है। छात्र हित में सरकार की ओर से लिए गए फैसले के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। प्रदर्शनकारी नेता रामावतार ने कहा कि सरकार की ओर से सभी फैसला छात्र हित में लिया गया है और यह फैसला ऐतिहासिक है।

दूसरे गुट के छात्रों की बैठक जारी

एक मंच की ओर से आंदोलन खत्म करने की घोषणा के बाद जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलन स्थल पर छात्रों के बीच मतभेद भी सामने आए हैं। दूसरे गुट से जुड़े छात्र दोपहर तक स्टेडियम में बैठक करते रहे। इस गुट के छात्र आपस में चर्चा कर आगे की रणनीति तय करने में जुटे रहे। उधर, छात्र आंदोलन को देखते हुए जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रशासन की मुस्तैदी बनी हुई है। एक गुट की ओर से आंदोलन समाप्त करने की घोषणा के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। दूसरे गुट के छात्रों की बैठक के कारण स्टेडियम परिसर में गतिविधियां जारी है।

कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

● 9 लोगों की मौत, इनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1.45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के

मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं।

मंत्री बोले-अंदर की व्यवस्था देखकर हैरान हूं

पश्चिम बंगाल के फायर डिपार्टमेंट मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है, लेकिन इसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच के बाद होगी। मंत्री ने कहा कि इमारत के अंदर की स्थिति बेहद खराब थी और यहां कई होटल चल रहे थे। उन्होंने कहा कि वहां की व्यवस्था देखकर वे हैरान हैं। मंत्री के मुताबिक, बिल्डिंग मैनेजमेंट ने बुनियादी सुरक्षा और निर्माण नियमों का पालन नहीं किया था।

नीट का सिस्टम फुलप्रूफ इसे तोड़ना है मुश्किल

● सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है।

JPSC-JSSC रिफॉर्म मंच ने आंदोलन स्थगित किया, सीजीएल के चयनित अभ्यर्थी अब विरोध में उतरे

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश /

झारखंड में लंबे समय से जारी JPSC-JSSC आंदोलन को रिफॉर्म मंच ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। दूसरी ओर JSSC-CGL परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी अब सड़क पर उतर आए हैं और अपनी नौकरी बहाल करने की मांग कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने ष्टढ्ढष्ठ जांच के हवाले से कहा है कि परीक्षा में कई लोगों की नियुक्ति अनियमितता से हुई है। लेकिन इस फैसले से उन अभ्यर्थियों को सबसे अधिक पीड़ा हुई है जिन्होंने पूरी लगन और परिश्रम से तैयारी की थी। सामान्य एवं गरीब परिवारों के अनेक छात्र माफियाओं द्वारा सीटों की खरीद-बिक्री के कारण अचानक सड़क पर आ गए हैं।आलोचकों का मानना है कि यह स्थिति सरकार के हठ के कारण बनी। यदि सरकार हठ छोड़कर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करती और परीक्षा को समय रहते रद्द करती, तो आज की स्थिति नहीं आती। इसके विपरीत सरकार ने CID में मामला दर्ज कर व्हसलब्लोअर्स को प्रताड़ित किया और जेल भी भेजा।अब JSSC-CGL के सफल अभ्यर्थी पुनः न्यायालय की शरण में गए हैं। उन्हें न्यायालय से नियुक्ति बहाल होने की उम्मीद है। वहीं जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन कर रहे छात्र अब घर लौट रहे हैं।वर्तमान में राज्य में गुस्सा, विरोध और आक्रोश का सिलसिला जारी रहने के आसार हैं।

मैं इस लड़ाई में आदिवासी भाई-बहनों के साथ

केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के प्रभावितों से मिले राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने संसद में मुद्दा उठाने का भी किया वादा

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा। आंदोलन कारियों ने राहुल को बताया कि प्रभावित आदिवासी समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर सत्याग्रह कर रहा है। उन्होंने आंदोलन के दौरान सामने आई परेशानियों और प्रभावित परिवारों की मांगों की जानकारी भी राहुल को दी। राहुल ने बुधवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

राहुल गांधी ने दिया समर्थन

मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो साझा कर आंदोलन कारियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने कहा– अपने जायज हक की लड़ाई लड़ रहे बुंदेलखंड के निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। राहुल ने भरोसा दिलाया कि आदिवासी परिवारों की इस लड़ाई में वे और कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आंदोलन कारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके मुद्दों को आगे उठाने की बात कही।

विस्थापन और पुनर्वास का मुद्दा

आंदोलन कारियों ने राहुल गांधी को बताया कि केन–बेतवा प्रोजेक्ट से पन्ना और छतरपुर जिले के बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट के चलते आदिवासी समुदाय को विस्थापन और आजीविका से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और अपने अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। आंदोलन कारियों का दावा है कि कई परिवारों को भूमि के बदले भूमि और कानून के तहत मिलने वाले पुनर्वास अधिकार पर्याप्त रूप से नहीं मिले हैं। आंदोलनकारियों ने प्रोजेक्ट से पन्ना टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, प्रोजेक्ट के कारण बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा पुलिस के हत्थे चढ़े चार बदमाश, बैंक लूट की बना रहे थे योजना

कोडरमा, एजेंसी। पुलिस ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की कोडरमा शाखा में लूट की योजना बना रहे चार बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सोमवार देर रात तिलैया थाना क्षेत्र के इंदरवा बस्ती से झरनाकुंड जाने वाले रास्ते में सुनसान इलाके में पकड़े गए चारों बदमाश बैंक लूटने की योजना बना रहे थे, जिसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी। बहरहाल, एसपी के द्वारा गठित टीम जब छापेमारी के लिए पहुंची तो पुलिस को देखकर चारों बदमाश सक्रिय हो गए और लूट की घटना में इस्तेमाल करने वाले पिस्टल से पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस मुठभेड़ की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मारकर उसे घायल कर दिया जबकि बाकी के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से तीन पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस और 5 मैगजीन बरामद की है। घटना में तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार समेत कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें भी आई है। मामले की जानकारी देते हुए एसपी कुमार शिवशिष ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के मोबाइल से बैंक आफ महाराष्ट्र की कोडरमा शाखा की रेकी किए जाने के कई वीडियो भी मिले हैं, जिससे ये साफ हो रहा है कि पकड़े गए लोग बैंक में लूट और डकैती की योजना बना रहे थे। एसपी कुमार शिवाशिष ने बताया कि पकड़े गए सभी अपराधी बिहार के सिवान और वैशाली जिले के रहने वाले है और इन्हें जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी निरंतर सिंह निर्देशित कर रहा था। उन्होंने आगे बताया कि निरंतर सिंह को भी रिमांड पर कोडरमा लाने का पुलिस प्रयास करेगी। एसपी ने बताया कि पकड़े गए सभी अपराधियों पर आर्म्स एक्ट और बैंक लूट के मामले पहले से ही दर्ज है।

'बाबूजी धीरे चलना-राह में जरा संभलना', बड़े-बड़े गड्ढे हैं इस राह में

चांडिल, एजेंसी। चौका-कांड्रा मुख्य सड़क मार्ग की बदहाल स्थिति को देखकर प्रसिद्ध फिल्मी गीत 'बाबूजी धीरे चलना, इस राह में जरा संभलना' की पंक्तियां बिल्कुल सटीक बैठती हैं। चौका से खूंटी तक करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बारिश का पानी और कीचड़ भरने से वाहन चालकों के लिए यहां से गुजरना कतरे से खाली नहीं है।वहीं, पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश ने सड़कों की स्थिति को और बदतर बना दिया है। पानी से लबालब बड़े-बड़े गड्ढे दूर से दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चालक अचानक उसमें फंस जाते हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि छोटे-बड़े वाहन और मालवाहक गड्ढों में फंसकर बंद हो रहे हैं, जिन्हें निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। इस वजह से मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।इस व्यस्त मार्ग से रोजाना स्कूली बच्चों, कॉलेज विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों के अलावा मरीजों और गर्भवती महिलाओं का आना-जाना होता है। सड़क की जर्जर हालत के कारण एंबुलेंस और अन्य वाहनों को भी निकलने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। गड्ढों के कारण वाहनों के असंतुलित होने से हर वक्त किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।खास बात यह है कि चौका-कांड्रा मार्ग एक टोल रोड है, जहां गिद्दीबेड़ा टोल प्लाजा पर नियमित रूप से भारी-भरकम टोल टैक्स वसूला जाता है। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत न होने से वाहन चालकों और स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की जोरदार मांग की है।

बारिश में बढ़ा वायरल फीवर का खतरा, अस्पताल पहुंचे 1,444 मरीज

रांची, एजेंसी। लगातार बारिश के बाद एमजीएम अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और पेट दर्द जैसी बीमारियों के 1444 मामले सामने आए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने संक्रमण फैलने के बढ़ते खतरे की चेतावनी दी है। लगातार हो रही बारिश, कई इलाकों में जलजमाव और बढ़ती गंदगी का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। दो दिनों की छुट्टी के बाद सोमवार को एमजीएम अस्पताल का ओपीडी खुला तो मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल के रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर विभिन्न विभागों के ओपीडी तक मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। सबसे ज्यादा मरीज वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और पेट दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचे।शनिवार और रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को एमजीएम अस्पताल का ओपीडी खुलते ही मरीजों की भीड़ बढ़ गई। सुबह से ही रजिस्ट्रेशन काउंटर पर महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को होमगार्ड के जवानों की तैनाती करनी पड़ी।जानकारी के अनुसार, सोमवार को एमजीएम अस्पताल के विभिन्न विभागों के ओपीडी में कुल 1,444 मरीज इलाज कराने पहुंचे, जबकि सामान्य दिनों में यह संख्या लगभग 1,200 रहती है। वहीं, सदर अस्पताल में भी 300 से अधिक मरीजों का इलाज किया गया।एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन विभाग में सबसे ज्यादा मरीज पहुंचे। यहां सामान्य दिनों में 180 से 190 मरीज इलाज कराने आते हैं, लेकिन सोमवार को यह संख्या बढ़कर 244 हो गई। इनमें वायरल फीवर के मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही।इसके अलावा, शिशु रोग विभाग में 182 बच्चों और चर्म रोग विभाग में 187 मरीजों का इलाज किया गया। डॉक्टरों का कहना है कि बारिश के मौसम में वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है, जिससे अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है।

हेमंत सरकार का बड़ा एक्शन,

22 परीक्षाएं रद्द, 23 की जांच के आदेश

देश के कई राज्यों में पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी सामने आने के बाद भर्ती परीक्षाएं रद्द की गई हैं.

रांची, एजेंसी। झारखंड में सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर हेमंत सोरेन सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने एक साथ 22 परीक्षाएं रद्द करने, 6 परीक्षाओं को फिलहाल रोकने और 2013 से अब तक की 17 पुरानी परीक्षाओं को सीआईडी जांच के दायरे में लाने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि नियुक्ति परीक्षाओं को लेकर अब तक पूरे देश में किसी भी राज्य ने इतना बड़ा फैसला नहीं लिया है।

वहीं, भाजपा नेता सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि अगर सरकार ने सीआईडी जांच में पाई गई अनियमितता का हवाला देकर परीक्षाओं को रद्द किया है तो जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल। ख्यांगते की तरह जेएसएससी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत कुमार की गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही है।

इस फैसले की खास बात यह है कि कार्रवाई केवल किसी एक पेपर लीक या एक भर्ती तक सीमित नहीं है। सरकार ने पुरानी परीक्षाओं की प्रक्रिया को भी जांच के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। यही वजह है कि इसे झारखंड की भर्ती परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

देश के कई राज्यों में पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी सामने आने के बाद भर्ती परीक्षाएं रद्द की गई हैं। राजस्थान में आरईईटी से जुड़े विवाद के बाद कार्रवाई हुई। उत्तराखंड में जेएसएससी की कई भर्तियों पर सवाल उठने के बाद बड़ी संख्या में नियुक्तियों और परीक्षाओं की समीक्षा हुई। उत्तर प्रदेश में भी पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द करनी पड़ी। मध्य प्रदेश में व्यापमं यानी व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा ली गई कई नियुक्ति परीक्षाओं के साथ-साथ एमबीबीएस में दाखिला से जुड़ा परीक्षा परिणाम अलग-अलग समय पर रद्द हुआ है।

लेकिन झारखंड के फैसले का दायरा इसलिए अलग नजर आता है क्योंकि यहां एक साथ कई परीक्षाओं पर निर्णय लेने के साथ पुरानी भर्ती परीक्षाओं को भी जांच के दायरे में लाया गया है। जबकि दूसरे प्रदेशों में विवाद सामने के बाद किसी खास परीक्षा को ही रद्द किया जाता रहा है।

इसका सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, जिन्होंने इन परीक्षाओं में हिस्सा लिया था। कई उम्मीदवारों ने वर्षों तैयारी की है और कुछ मामलों में नियुक्तियां भी हो चुकी हैं। ऐसे में जांच के साथ यह भी बड़ी चुनौती होगी कि दोषियों पर कार्रवाई हो और जिन अभ्यर्थियों का कोई दोष नहीं है, उनके हित सुरक्षित रहें।

सरकार के सामने अब केवल परीक्षा रद्द करने का सवाल नहीं है। असली चुनौती यह होगी कि जांच कितनी तेजी और निष्पक्षता से पूरी होती है, गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान होती है या नहीं और प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य को किस तरह सुरक्षित किया जाता है।

जेएसएससी सीजीएल रद्द से प्रभावित कर्मचारियों ने निकाला कैंडल मार्च, 'न्याय दो या फांसी

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार द्वारा सीजीएल परीक्षा रद्द किए जाने के बाद इससे प्रभावित हजारों सरकारी कर्मचारी सड़क पर उतर गए हैं। झारखंड मंत्रालय के बाहर दिनभर प्रदर्शन करने के बाद कर्मचारियों ने कल रात बिरसा चौक तक कैंडल मार्च निकाला। भारी बारिश के बीच प्रोजेक्ट भवन से बिरसा चौक तक पैदल यात्रा कर रहे कर्मचारियों ने 'न्याय दो या फांसी दो' के नारे लगाते रहे।

सरकार के फैसले से नाराज सीजीएल के जरिए नौकरी पाए कर्मचारियों का कहना है कि जिस तरह से जल्दबाजी में सीजीएल परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया, यह उचित नहीं है। इससे हजारों लोगों के परिवार प्रभावित होंगे। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार अविलंब अपने फैसले को वापस ले नहीं तो आंदोलन उग्र होगा।

वहीं, एक कर्मचारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर परीक्षा में गड़बड़ी हुई थी, तो पहले जांच होनी चाहिए थी ताकि असल में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। लेकिन सरकार ने बिना किसी जांच के सभी के खिलाफ एक साथ कार्रवाई कर दी। ऐसे में हमसब चुप बैठने वाले नहीं हैं।

आयुष चिकित्सकों के चयन के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू संपन्न

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं आमजन तक पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से आयुष चिकित्सक एवं सहायक चिकित्सक के रिक्त पदों के लिए बुधवार को वॉक-इन-इंटरव्यू संपन्न हुआ।इंटरव्यू में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से 19 आयुष चिकित्सकों ने साक्षात्कार में भाग लिया। चयन समिति ने सभी अभ्यर्थियों के कार्यानुभव, शैक्षणिक योग्यता सहित अन्य बिंदुओं पर साक्षात्कार लिया। साक्षात्कार की पूरी वीडियोग्राफी कराई गई।चयन समिति में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉ राकेश इंदर, डॉ मंजु दास, सिविल सर्जन कार्यालय की मेडिकल ऑफिसर डॉ रेखा कुमारी, मेडिकल ऑफिसर आयुष डॉ अमरेन्द्र पाठक, होमियोपैथी फिजिशियन डॉ जयश्री, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा मौजूद थे।

फोटोग्राफी कला, विज्ञान एवं दर्शन का अद्भुत संगम- डॉ. प्रदीप वर्मा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची में विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यक्रम 'पिक्सेल स्पंदन 2026' का आयोजन किया जा रहा है। 19 एवं 20 अगस्त को आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय तथा शटरबग्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में फोटोग्राफी, दृश्य संचार एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें इस क्षेत्र की व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना है।कार्यक्रम का उद्घाटन सरला बिरला विश्वविद्यालय के जी. डी. बिरला सभागार में विशिष्ट अतिथियों, शिक्षाविदों एवं प्रख्यात फोटोग्राफी विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद गणेश वंदना, सरस्वती वंदना एवं शिव शक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति तथा पारंपरिक जनजातीय स्वागत नृत्य ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा का समावेश किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में फोटोग्राफी को कला, विज्ञान एवं दर्शन का अद्भुत संगम करार दिया। फोटोग्राफी एवं पेंटिंग को उन्होंने अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बताते हुए स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, बिरसा मुंडा जैसे कई महापुरुषों का दृष्टांत भी दिया।अपने स्वागत संबोधन में प्रो. अजय कुमार, डीन, पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए फोटोग्राफी को संचार का एक प्रभावशाली माध्यम बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अभ्यास करने और अपनी रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों एवं वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रचनात्मकता, दृढ़ संकल्प, अनुशासन, अवलोकन क्षमता और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज के हित में करने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने समकालीन पत्रकारिता एवं मीडिया में दृश्य संचार की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, सदस्य, राज्यसभा के अलावा विशिष्ट अतिथि अनुज कुमार सिन्हा, सूचना आयुक्त, झारखंड उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. सी. जगनाथन, कुलपति, एसबीयू; प्रो. गोपाल पाठक, महानिदेशक, एसबीयू; तथा प्रो. एस. बी. दंडिन, कुलसचिव, एसबीयू ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में प्रख्यात फोटोग्राफरों कुलदीप सिंह 'दीपक ', दिवाकर प्रसाद एवं संजय बोस ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और फोटोग्राफी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। कुलदीप सिंह 'दीपक' ने फोटोग्राफी के विकास और उसके तकनीकी सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के शुरुआती दौर, पारंपरिक कैमरों एवं उपकरणों से लेकर डिजिटल युग तक के विकास से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार फोटोग्राफी ने फिल्म और रील के दौर से निकलकर डिजिटल कैमरों, स्मार्टफोन और आज की रील संस्कृति तक का लंबा सफर तय किया है। उनके सत्र ने विद्यार्थियों को फोटोग्राफी में हुए तकनीकी बदलावों और आधुनिक मीडिया में इसकी बदलती भूमिका को समझने का अवसर प्रदान किया। दिवाकर प्रसाद ने फोटोग्राफी को दृश्य कहानी कहने की कला के रूप में समझाया।

ढोकरा में प्रस्तावित खेल स्टेडियम के लिए भूमि का सर्वे शुरू

दैनिक अलग पहचान,शीतल दत्ता, ब्यूरो चीफ, धनबाद/

बलियापुर (ढोकरा) सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो के प्रयासों से ढोकरा में खेल स्टेडियम निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। विधायक के निर्देश पर सोमवार को झारखंड खेल विभाग के सर्वेयर नाजिम अंसारी ने ढोकरा स्थित चिन्हित सरकारी भूमि का स्थलीय निरीक्षण एवं तकनीकी सर्वे प्रारंभ किया।ढोकरा पंचायत के रानी रोड आमटाल के समीप मौजा-42, खाता-596, प्लॉट-4871 एवं 5576 में स्थित 10.96 एकड़ सरकारी भूमि पर यह सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान विधायक प्रतिनिधि एवं मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता उपस्थित रहे। सर्वेयर ने बताया कि एक-दो दिनों में आंकड़े एकत्र कर विस्तृत रिपोर्ट खेल विभाग को सौंपी जाएगी, जिसके बाद आगे की प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रक्रिया शुरू होगी।उल्लेखनीय है कि बलियापुर अंचल कार्यालय पूर्व में ही इस भूमि का जांच प्रतिवेदन जिला प्रशासन को भेज चुका है। विधायक चंद्रदेव महतो डेढ़ वर्षों से इस परियोजना के लिए प्रयासरत हैं। स्थानीय लोगों को आशा है कि स्टेडियम बनने से क्षेत्र के युवाओं, खिलाड़ियों और छात्र-छात्राओं को खेल की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।इस अवसर पर सत्येंद्र महतो, आमोद बावरी, रंजीत महतो, हारु बाउरी, आसिफ, रंजीत पल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रांची जिला में RTE के तहत निःशुल्क नामांकन हेतु दूसरे चरण की ऑनलाइन लॉटरी संपन्न

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ हुई संपन्न

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE) की धारा 12(1) (ब) के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर अभिवंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन हेतु दूसरे चरण की ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया का आयोजन उपविकास आयुक्त, रांची संजय कुमार भगत की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार समाहरणालय स्थित NIC सभागार में लॉटरी की पूरी प्रक्रिया के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, सहायक जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रीमा कुजूर, एडीपीओ सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।वर्ष 2026-27 के लिए RTE के तहत दूसरे चरण में नामांकन हेतु कुल 224 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच एवं सत्यापन के उपरांत सभी 224 आवेदनों को लॉटरी प्रक्रिया के लिए योग्य पाया गया। जिले के कुल 39 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में उपलब्ध 183 सीटों पर नामांकन के लिए चयन प्रक्रिया संचालित की गईऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से कुल 35 विद्यालयों में 89 बच्चों का चयन किया गया। दोनों चरणों में अब तक कुल 722 सीटों पर नामांकन सुनिश्चित किया गया। चयनित बच्चे संबंधित विद्यालयों में बिना किसी शुल्क के नामांकन प्राप्त कर सकेंगे तथा कक्षा आठवीं तक की शिक्षा पूर्णतः निःशुल्क प्राप्त करेंगे। सभी संबंधित स्कूलों को एक सप्ताह में नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है।जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि संपूर्ण प्रक्रिया तकनीकी रूप से सुरक्षित, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। जिला प्रशासन रांची शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमावर्ती मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

घर-घर सत्यापन कर 'एक परिवार-एक मतदान केंद्र' के अनुरूप मतदाता सूची को सुव्यवस्थित करना सुनिश्चित करें—के. रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

पाकुड़। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बुधवार को पाकुड़ जिले के पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमावर्ती इलाकों में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर मतदाता सूची में दर्ज विवरणों एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सत्यापन के संबंध में जानकारी प्राप्त की।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिया कि घर-घर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी गंभीरता एवं सावधानी से की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि यथासंभव एक परिवार के सभी मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हों तथा कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में निर्धारित प्रक्रिया एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।पद्म के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से तैयार मतदाता सूची को परमानेंट डॉक्यूमेंट के रूप में संरक्षित किया जाएगा। मतदाता सूची में दर्ज प्रमाणित एवं सही विवरण भविष्य में मतदाता तथा उसके परिवार के लिए महत्वपूर्ण अभिलेख के रूप में उपयोगी होगा। इसलिए प्रत्येक मतदाता अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के विवरण की जांच अवश्य करें और किसी प्रकार के सुधार, नाम जोड़ने अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुरूप केवल भारतीय नागरिक ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए-2 तथा आम नागरिकों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में किसी विदेशी नागरिक द्वारा मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करने अथवा ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी विदेशी नागरिक का नाम दर्ज होने का मामला आता है, तो निर्धारित फॉर्म-7 के माध्यम से अपनी आपत्ति अवश्य दर्ज कराएं। प्राप्त आपत्ति पर संबंधित ईआरओ/एईआरओ द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों एवं तथ्यों की जांच करते हुए नियमानुसार आदेश पारित किया जाएगा।

बोकारो में रेलकर्मी की सड़क हादसे में मौत, यूपी का रहने वाला था मृतक

बोकारो, एजेंसी। जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र में गोस्वामी टोला के समीप मंगलवार रात ड्यूटी जाने के दौरान सड़क दुर्घटना में 45 वर्षीय अरविंद वर्मा की मौत हो गई। घटना एनएच-23 पर बालीडीह से जैनामोड़ जाने वाली सड़क पर हुई है। मृतक अरविंद वर्मा रेलवे आईआरसीटीसी के बेस किचन में मैनेजर पद पर कार्यरत था। मृतक की पहचान यूपी का रहने वाला के रूप में हुई है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि रेलवे के बेस किचन में मैनेजर पद पर कार्यरत अरविंद वर्मा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया अरविंद वर्मा बाइक से बालीडीह गायत्री नगर से बालीडीह मोड़ स्थित बेस किचन की ओर लौट रहे थे। इस दौरान गोस्वामी टोला के समीप सड़क पार करने ही वाले थे कि बोकारो की ओर से तेज रफ्तार से आ रही ब्लोरो पिकअप वेन ने अपनी चपेट में ले लिया। अरविंद वर्मा को पिकअप ने घसीटते हुए करीब 30 मीटर तक ले गया।

बालीडीह थाना इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार ने कहा कि अनियंत्रित बोलेरो जो काफी तेज गति से आ रहा था ने धक्का मार दिया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही रेल कर्मी की मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

अनशन तोड़ने के बाद देवेंद्र नाथ महतो बोले- सिस्टम रिफॉर्म होने पर मिलेगा छात्रों को न्याय

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की ओर से जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और जेपीएससी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के बाद छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने इसे छात्रों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से परीक्षा में गड़बड़ी, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे थे। सरकार के फैसले से छात्रों की मांगों को बड़ी सफलता मिली है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा है कि सीबीआई-सीआईडी जांच से नहीं, बल्कि सिस्टम रिफॉर्म होने पर छात्रों को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिस्टम रिफॉर्म होने तक छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि अब तक 14 परीक्षाएं रद्द की जा चुकी हैं। उन्होंने इसे झारखंड के छात्र आंदोलन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, परीक्षा रद्द होना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं है, बल्कि यह छात्रों की लगातार उठायी जा रही आवाज और उनके संघर्ष का परिणाम है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन की लड़ाई केवल परीक्षाएं रद्द कराने तक सीमित नहीं है। छात्रों को न्याय नहीं मिल सकता। जांच एजेंसियां किसी मामले की जांच कर सकती हैं और दोषियों की पहचान कर सकती हैं, लेकिन इससे भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में जरूरी सुधार अपने आप नहीं हो जाएगा। छात्रों की मांग है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में स्थायी बदलाव करे।महतो ने कहा कि छात्रों की सबसे बड़ी मांग भविष्य में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिसमें पेपर लीक या किसी भी तरह की धांधली की गुंजाइश नहीं हो। परीक्षा प्रक्रिया में प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने और परीक्षा आयोजित करने तक हर स्तर पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है।

जेएसएससी जीसीएल रद्द को लेकर प्रोजेक्ट भवन के सामने कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन,

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने जेपीएससी-जेएसएससी द्वारा आयोजित 22 परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ इससे प्रभावित कर्मचारी झारखंड मंत्रालय के सामने लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि सरकार ने तुगलकी फरमान के जरिए 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के साथ-साथ सीजीएल में सफल अभ्यर्थियों को सड़क पर ला दिया है। कर्मचारी न्याय दो या फांसी दो के नारों के साथ सरकार से अधिसूचना वापस लेने की मांग कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे कर्मियों ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक वे यहीं बैठे रहेंगे। भारी बारिश के बीच न्याय दो या फांसी दो का नारा लगाते हुए सरकार से गुहार लगा रहे इन कर्मियों का कहना है कि हमारी नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश पर हुआ है, इसके बावजूद सरकार ने इसे नहीं माना और एक झटके में सीजीएल की बहाली को रद्द कर दिया। कर्मियों ने कहा कि इसके खिलाफ हम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। साथ ही सरकार को भी चैन से नहीं रहने देंगे। आंदोलनकारी के द्वारा एक तरफ जहां बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री हाय-हाय के नारों से झारखंड मंत्रालय का गेट गूंज रहा है। इस आंदोलन में सीजीएल के साथ-साथ 11वीं से 13वीं जेपीएससी के जरिए सफल हुए पदाधिकारी भी शामिल हैं। आंदोलन कर रहे लोगों ने कहा कि वे अपनी नौकरी वापस लेकर रहेंगे। आंदोलनकारी संजीत कहते हैं कि सरकार ने हमारे साथ ज्यादती की है। इसी प्रोजेक्ट भवन में हम कल तक काम करते थे, लेकिन सरकार ने एक झटके में हमलोगों को सड़क पर ला दिया। बहरहाल, कर्मचारी सरकार से खासा नाराज हैं और आंदोलन उग्र करने की चेतावनी दी है।

बाबूलाल का हेमंत सरकार पर हमला, कहा-परीक्षाएं रद्द करना समाधान नहीं

रांची, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार द्वारा परीक्षाएं रद्द करने के फैसले को साजिश करार देते हुए कहा कि सिर्फ परीक्षा रद्द करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। बाबूलाल मरांडी ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सीबीआई जांच होने पर ही परीक्षा में गड़बड़ी, नौकरी खरीदने-बेचने और कथित साजिश में शामिल लोगों का पता चल सकेगा। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीजेपी शुरू से ही यह स्पष्ट करती रही है कि परीक्षाएं रद्द करना समस्या का समाधान नहीं है। सरकार परीक्षाएं रद्द करने का फैसला लेकर अपनी पीठ थपथपा रही है, जबकि छात्रों की असली मांग मामले की निष्पक्ष जांच है। उन्होंने कहा कि मीडिया में सामने आ रही रिपोर्टों से जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सीआईडी जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी पहले भी इन मामलों की जांच कर चुकी है और कोर्ट के सामने ऐसी रिपोर्ट रख चुकी है, जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी या नौकरी की बिक्री से इनकार किया गया था। बाबूलाल ने आरोप लगाया कि जांच को गलत दिशा में ले जाने वाले अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में उसी एजेंसी से दोबारा जांच कराने पर छात्रों को न्याय मिलने की उम्मीद कम है।बाबूलाल मरांडी ने सरकार की रणनीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि नौकरी हासिल करने वाले लोग अदालत का रुख कर सकते हैं। ऐसे में सरकार को अदालत में परीक्षा रद्द करने के आधार और उसके समर्थन में सबूत देने होंगे। बाबूलाल का दावा है कि अगर सबूत सीआईडी की पिछली जांच पर ही आधारित रहे तो अदालत में सरकार का फैसला चुनौती के घेरे में आ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहले से ऐसी स्थिति की तैयारी कर रही थी, ताकि बाद में अदालत के फैसले का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बच सके।

धनबाद की प्रांजल और आन्या मित्तल को मिला गिनीज गोल्ड मेडल,

ऑनलाइन श्लोकों का पाठ कर बनाया रिकॉर्ड

धनबाद, एजेंसी। आज के दौर में सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं की दिनचर्या का बड़ा हिस्सा बन चुका है। मोबाइल, रील्स और ऑनलाइन गेमिंग के बीच अगर कोई बच्चा आध्यात्मिक और धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन में अपनी पहचान बनाए, तो यह निश्चित तौर पर प्रेरणादायक है। धनबाद के धैय्या की रहने वाली दो बहनों ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है।

प्रांजल मित्तल और आन्या मित्तल ने श्रीमद्भगवद्गीता के पाठ और ऑनलाइन चैंटिंग में हिस्सा लेकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। एक साथ ऑनलाइन मंत्रोच्चार करने वाले लोगों की सबसे ज़्यादा संख्या 8,277 है, और यह रिकॉर्ड सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट (भारत) ने 9 मई 2026 को ऑनलाइन हासिल किया था। इसमें दोनों बहनों का नाम Guinness World Records से जुड़ा है और उपलब्धि के लिए उन्हें आधिकारिक प्रमाण पत्र के साथ गोल्ड मेडल भी प्रदान किया गया है। बेटियों की इस उपलब्धि से पूरा परिवार गौरवान्वित है। खास बात यह है कि दोनों बहनों को गीता के श्लोकों का सही और शुद्ध उच्चारण बचपन से ही घर के आध्यात्मिक माहौल में सीखने को मिला। यह एक ग्लोबल इवेंट था जिसमें दुनिया भर के लोगों ने भगवद गीता के 15वें अध्याय का पाठ किया और यह रिकॉर्ड बनाया।

धनबाद के धैय्या की रहने वाली प्रांजल मित्तल और आन्या मित्तल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। कम उम्र में ही दोनों बहनों ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों को कंठस्थ कर लिया और शुद्ध उच्चारण के साथ उनका पाठ करने में महारत हासिल की। इसी लगन और अभ्यास ने दोनों बहनों को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है।

जहां आज के समय में बच्चे घंटों मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर अपना समय बिताते हैं, वहीं प्रांजल और आन्या का बचपन गीता के श्लोकों के बीच बीता। घर में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण ऐसा रहा कि गीता के श्लोक सुनना और उनका पाठ करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया। दोनों बहनों ने 9 मई 2026 को Central Chinmaya Mission Trust की ओर से आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ ऑनलाइन चैंटिंग में भाग लिया। कार्यक्रम के लिए करीब 70 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि लगभग 30 हजार प्रतिभागी वास्तव में आयोजन से जुड़े। Guinness World Records की निर्धारित नियमावली और सत्यापन प्रक्रिया के बाद एक साथ ऑनलाइन चैंटिंग करने वाले 8,277 प्रतिभागियों को आधिकारिक रिकॉर्ड के रूप में मान्यता मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में धनबाद की प्रांजल और आन्या मित्तल भी शामिल रहीं।

जुलाई महीने में दोनों बहनों को इस उपलब्धि का आधिकारिक प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र हाथ में आते ही परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह उपलब्धि सिर्फ दो बहनों की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि धनबाद और पूरे कोयलांचल के लिए भी गर्व का विषय है।

प्रांजल मित्तल ने बताया कि उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का पाठ महज करीब पांच मिनट में पूरा किया। श्लोकों के सटीक उच्चारण और लगातार अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। प्रांजल के मुताबिक इस सफलता का सबसे बड़ा श्रेय उनके माता-पिता को जाता है। उनकी मां ने बचपन से ही उन्हें गीता का पाठ करना सिखाया। प्रांजल बताती हैं कि घर में अक्सर श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों की ऑडियो रिकॉर्डिंग चलती रहती थी। वह लगातार इन श्लोकों को सुनती थीं और धीरे-धीरे श्लोक उन्हें याद होते चले गए। सुनते-सुनते उनका उच्चारण सुधरा और गीता के श्लोक उनके जीवन का हिस्सा बन गए।

वहीं आन्या मित्तल भी बताती हैं कि उन्होंने बचपन से ही श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करना शुरू कर दिया था। मां से मिली प्रेरणा और लगातार अभ्यास की वजह से उन्होंने गीता के श्लोकों का सही उच्चारण सीखा। उनके लिए गीता सिर्फ एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की सीख भी है।

प्रांजल और आन्या की इस सफलता के पीछे उनकी मां प्रीति अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खास बात यह है कि प्रीति अग्रवाल को भी श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्याय कंठस्थ हैं। वह सिर्फ क्रम से ही नहीं, बल्कि बीच के किसी भी अध्याय से श्लोक सुनाने में सक्षम हैं। प्रीति गीता परिवार से भी जुड़ी हुई है। प्रीति अग्रवाल बताती हैं कि बच्चों को छोटी उम्र से ही भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना जरूरी है। उनका मानना है कि अगर बच्चे श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन और पाठ करते हैं तो वे इसके विचारों और संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहुंचे बोकारो, दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो, एजेंसी। जिले के सेक्टर-4 स्थित कुमार मंगलम स्टेडियम में 19 से 27 अगस्त तक दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देशभर के 900 से अधिक पुरुष एवं महिला तीरंदाज हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे।

बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, सचिव एंजेला सिंह, अजय सिंह ने खिलाड़ियों को बुके देकर स्वागत किया। झारखंड तीरंदाजी संघ के नेतृत्व में बोकारो जिला तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग के खिलाड़ी रिकर्व और कंपाउंड श्रेणी में मुकाबला करेंगे।

सीनियर वर्ग के मुकाबले 19 और 20 अगस्त को होंगे, जिसमें करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वहीं, जूनियर वर्ग में 22 और 23 अगस्त को 300 से अधिक तीरंदाज अपना दमखम दिखाएंगे। सब-जूनियर वर्ग के मुकाबले 25 और 26 अगस्त को होंगे, जिसमें करीब 200 खिलाड़ी शामिल होंगे।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका कुमारी और अतनु दास भी बोकारो पहुंचे हैं। दोनों ने कुमार मंगलम स्टेडियम में अभ्यास किया और युवा तीरंदाजों का उत्साह बढ़ाया। दीपिका कुमारी ने खिलाड़ियों से लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर नियमित अभ्यास करने की अपील की। दीपिका कुमारी ने कहा कि तीरंदाजी में सफलता एक दिन की मेहनत से नहीं मिलती। इसके लिए अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता से बोकारो में तीरंदाजी को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों को देश के दिग्गज तीरंदाजों से सीखने का महत्वपूर्ण अवसर भी मिलेगा।

मूसलाधार बारिश से रामगढ़ बेहाल! पतरातू डैम के जलस्तर में हुआ इजाफा, रजरप्पा में उफान पर दामोदर और भैरवी नदी

रामगढ़, एजेंसी। जिले में लगातार मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश की वजह से नदियां, तालाब और जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति है, वहीं पतरातू के नलकारी डैम का जलस्तर लगातार बढ़ने से प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है।

पतरातू डैम के कैचमेंट एरिया के साथ-साथ इसके मुख्य जलस्रोत नलकारी और घाघरा नदी से लगातार पानी आ रहा है। इसके चलते डैम का जलस्तर करीब 1327।1 आरएल तक पहुंच गया है। जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए डैम की सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी समय फाटक खोलकर पानी की निकासी की जा सकती है।

पीटीपीएस शेष परिसंपत्ति के संपदा पदाधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि लगातार बारिश और कैचमेंट एरिया से पानी की आवक को देखते हुए डैम के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जलस्तर निर्धारित सीमा के करीब पहुंचने पर फाटक खोलकर पानी की निकासी की जाएगी। पानी की आवक और बढ़ने पर अतिरिक्त फाटक भी खोले जा सकते हैं। पतरातू डैम की मूल जलधारण क्षमता करीब 1332 आरएल बताई जाती है लेकिन डैम पुराना होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से जलस्तर को करीब 1328 आरएल तक नियंत्रित रखने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में डैम का फाटक खोले जाने के बाद नलकारी नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो सकता है। नलकारी नदी आगे दामोदर नदी में मिलती है, इसलिए इसका असर दामोदर नदी के जलस्तर पर भी पड़ सकता है और पानी बढ़ने का असर रजरप्पा तक देखने को मिल सकता है।

लगातार बारिश का असर प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर, रजरप्पा में भी दिखाई दे रहा है। मंदिर परिसर से सटी दामोदर और भैरवी नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है और दोनों नदियों का बहाव तेज हो गया है। नदी किनारे लगी बांस-बल्लियों की कई अस्थाई दुकानें पानी में जलमग्न हो गई हैं।

स्थिति को देखते हुए मंदिर न्यास समिति की ओर से श्रद्धालुओं से नदी में नहीं जाने और जलधारा के करीब नहीं पहुंचने की अपील की जा रही है।

बढ़ते जलस्तर को लेकर रामगढ़ जिला प्रशासन ने भी लोगों को सतर्क किया है। जिला प्रशासन ने अपील की है कि लोग नदियों, डैम, जलाशयों, तालाबों और अन्य जलस्रोतों के आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को जलस्रोतों के पास जाने से रोकने तथा मवेशियों को भी नदी किनारे नहीं ले जाने की सलाह दी गई है।

जिला प्रशासन ने संबंधित पदाधिकारियों को जलस्तर और स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर माइकिंग और अन्य माध्यमों से लोगों को तत्काल सतर्क करने का निर्देश दिया है। लगातार बारिश ने जहां रामगढ़ में जनजीवन की रफ्तार थाम दी है, प्रशासन द्वारा अपील की जा रही है कि बारिश के दौरान नदी, डैम और जलाशयों के करीब जाकर जोखिम न लें, क्योंकि जलस्तर कभी भी तेजी से बढ़ सकता है।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द होते ही कर्मचारी हुए लय

प्रोजेक्ट भवन में प्रवेश पर लगी पाबंदी

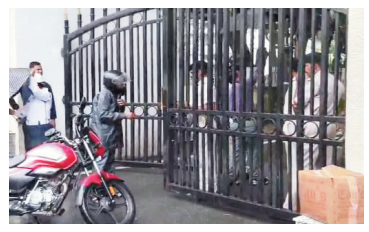

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार के फैसले से प्रभावित जेएसएससी सीजीएल के जरिए नौकरी पाए कर्मचारियों को आज मंगलवार से कार्यालय में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। झारखंड मंत्रालय में हर दिन की तरह आज भी ये कर्मचारी अपने ड्यूटी के लिए जैसे ही पहुंचे, मुख्य गेट पर उन्हें रोक दिया गया और प्रवेश के लिए बगैर आईडी दिखाए किसी को भी अनुमति नहीं दी जा रही है। कल तक जिस दफ्तर में वो काम करते थे, आज वही उनके लिए बेगाना हो गया। सरकार की इस कार्रवाई से इन कर्मचारियों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर नाराज एक कर्मचारी ने बताया कि सरकार बिना कुछ समझे-बुझे यह फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि सीजीएल परीक्षा में कोई गड़बड़ी हुई है तो सरकार को पहले इसकी जांच करानी चाहिए थी और उसमें जो गड़बड़ी करते पाए जाते उसपर कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरकार ने परीक्षा और परिणाम को रद्द कर दिया। आखिर अब हमलोगों का भविष्य क्या होगा। गौरतलब है कि ये कर्मचारी 30 दिसंबर 2025 को नियुक्ति पत्र पाने के बाद से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत थे।

छात्रों के आंदोलन को देखते हुए राज्य सरकार ने 2023 में आयोजित सीजीएल भर्ती परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया है। सोमवार देर शाम झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा जैसे ही की, इससे प्रभावित कर्मचारियों की नाराजगी सड़कों पर दिखने लगी और देर रात तक झारखंड मंत्रालय के सामने सरकार के खिलाफ प्रभावित कर्मचारी नारेबाजी करते दिखे। राज्य सरकार ने छात्रों के आंदोलन को देखते हुए सोमवार को यह बड़ा फैसला लिया है। सोमवार को कैबिनेट की विशेष बैठक में लिए गए निर्णय के बाद आज मंगलवार को रद्द की गई सभी परीक्षाओं से संबंधित नोटिफिकेशन राज्य सरकार के द्वारा जारी किए जाने की संभावना है।

लोहरदगा में बस स्टैंड की नहीं बदली सूरत, नगर परिषद स्टैंड को शिफ्ट करने की बनाई है योजना

लोहरदगा, एजेंसी। जिले में बेहतर यात्री सुविधाओं और व्यवस्थित बस परिचालन के लिए नए बस स्टैंड की मांग लंबे समय से की जा रही है। रेलवे साइडिंग स्थित वर्तमान बस स्टैंड आधा-अधूरा निर्माण और जमीन विवाद के कारण लोगों के लिए पर्याप्त सुविधाजनक साबित नहीं हो पा रहा है। अब नगर परिषद ने नए बस स्टैंड के निर्माण की दिशा में पहल शुरू कर दी है, जिससे लोगों में उम्मीद जगी है।

लोहरदगा रेलवे साइडिंग में वर्ष 1995 से बस स्टैंड का संचालन हो रहा है। शुरुआत में इस बस स्टैंड से नगर परिषद को करीब ढाई लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता था, जो वर्तमान में बढ़कर करीब एक करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसके बावजूद बस स्टैंड में यात्रियों और वाहनों के लिए जरूरी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। वर्तमान बस स्टैंड का निर्माण भी अब तक पूरा नहीं हो सका है।

जमीन के स्वामित्व को लेकर रेलवे और नगर परिषद के बीच विवाद का मामला लंबे समय से अटका हुआ है। रेलवे इस जमीन को अपना बताती है। इस विवाद का असर बस स्टैंड की सुविधाओं और विकास पर भी पड़ रहा है। बस स्टैंड में वाहनों के पड़ाव के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। यात्रियों के लिए यात्री शेड और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

लोहरदगा से होकर छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के लिए बसों और अन्य यात्री वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में व्यवस्थित बस स्टैंड की जरूरत और भी बढ़ जाती है। अब नए बस स्टैंड के निर्माण को लेकर गतिविधियां तेज हुई हैं। नगर परिषद ने ओयन गांव के समीप जमीन की तलाश की है। नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि नए बस स्टैंड के निर्माण के लिए प्राक्कलन से संबंधित प्रस्ताव भी विभाग को भेजा गया है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो नए बस स्टैंड के निर्माण का रास्ता साफ हो सकता है।

वर्तमान बस स्टैंड की समस्याओं और जमीन विवाद के बीच नए बस स्टैंड के निर्माण की पहल लोहरदगा के लोगों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आई है। नए बस स्टैंड के बनने से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ वाहनों के व्यवस्थित संचालन में भी मदद मिलेगी। अब लोगों की नजर विभागीय मंजूरी और निर्माण कार्य शुरू होने पर टिकी है।

देवेंद्रनाथ महतो को तिरंगा यात्रा से रोकने का मामला राज्यपाल तक पहुंचा

रांची, एजेंसी। जेपीएससी-जेएसएससी में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ जारी छात्र आंदोलन के प्रमुख छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा और ध्वजारोहण में शामिल होने से रोके जाने का मामला अब राज्यपाल तक पहुंच गया है। मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस प्रतिनिधिमंडल में रूपेश कुशवाहा, जयराम महतो, मुकेश कुमार, शिवम, रामा अवतार और महावीर साहु शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि जेपीएससी-जेएसएससी की कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान 10 अगस्त को विधानसभा घेराव के समय पुलिस लाठीचार्ज की घटना हुई थी। इसके बाद छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो रांची सदर अस्पताल में इलाजरत थे। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, स्वास्थ्य स्थिति खराब होने के बावजूद वे छात्रों की मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर थे।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अस्पताल में उपचाररत होने के बावजूद देवेंद्र नाथ महतो ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने और राष्ट्रीय ध्वज फहराने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें रोका गया।

प्रतिनिधिमंडल का आरोप है कि इस दौरान उनके साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की और पुलिस बल का प्रयोग किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि घटना से संबंधित फोटो और वीडियो भी सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर हुई इस घटना की वास्तविकता सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। प्रतिनिधिमंडल ने घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की।

छात्र प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष छह प्रमुख मांगें रखीं। इनमें 15 अगस्त की घटना की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज, फोटो और वीडियो समेत सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखना शामिल है। इसके अलावा 10 अगस्त को विधानसभा घेराव के दौरान हुए पुलिस लाठीचार्ज की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने देवेंद्र नाथ महतो की सुरक्षा और उचित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। साथ ही जेपीएससी-जेएसएससी से संबंधित छात्र आंदोलन की मांगों पर सरकार से आवश्यक और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की घटना को केवल एक व्यक्तिगत विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों को सामने लाया जाना चाहिए। राज्यपाल से आग्रह किया गया कि वे मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच के लिए उचित निर्देश देने तथा दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए हस्तक्षेप करें।

जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर रांची में पिछले कई दिनों से छात्र आंदोलन जारी है। आंदोलन के बीच सरकार की ओर से विवादित एजेंसी टीडीपीएल द्वारा आयोजित परीक्षाओं को रद्द करने समेत कई घोषणाएं की गई हैं। हालांकि छात्र पक्ष की ओर से अलग-अलग मुद्दों को लेकर कार्रवाई की मांग लगातार उठाई जा रही है। इसी क्रम में अब स्वतंत्रता दिवस की घटना को लेकर राज्यपाल से जांच की मांग की गई है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में होने वाले जाम पर हाईकोर्ट में सुनवाई, हलफनामा दायर करने का दिया गया आदेश

पटना, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने राजधानी पटना के जीरो माईल चौराहा पर प्रतिदिन लगने वाले भीषण जाम के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए संयुक्त हलफनामा दायर करने का आदेश दिया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस सुधीर सिंह व जस्टिस राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने राजीव रंजन सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता वीरेन्द्र कुमार ने कोर्ट को जानकारी दी कि जीरो माईल के पूर्वी छोर बराबर ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है। कोर्ट ने राज्य सरकार के महाधिवक्ता एसडी संजय को मामले को संबंधित अधिकारी के समक्ष रखने का आदेश देते हुए हलफनामा दायर करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने हलफनामा में उक्त समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित कदमों के बारे में सूचित करने को कहा है।हलफनामा में परेशानियों का किया गया जिक्र : दरअसल, पटना के जीरो माईल चौराहा पर प्रतिदिन होने बाले भयंकर जाम से निजात दिलाने और इस समस्या का स्थायी निदान निकालने के लिए पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। ये जनहित याचिका राजीव रंजन सिंह ने दायर किया था। उन्होंने अपनी जनहित याचिका में बताया था कि पटना जीरो माईल चौराहा पर होने वाले जाम के कारण स्थानीय नागरिकों व वहां आने जाने वाले लोगों के लिए काफी कठिनाई होती हैं। अधिकारियों से भी की गई शिकायत : राजीव रंजन सिंह कहना है कि उन्होंने इस समस्या के संबंध में वरीय अधिकारियों को भी अवगत कराया, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट में कोई याचिका नहीं दायर की गई है। हालांकि ये समस्या सिर्फ पटना जीरो माईल चौराहा का ही नहीं हैं, बल्कि पूरे पटना शहर का है।

डिजिटल अरेस्ट कर 1 करोड़ से ज्यादा रुपये अकाउंट में ट्रांसफर करवाए, बिहार पुलिस ने पटना से दबोचा

पटना, एजेंसी। बिहार में साइबर ठगी के खिलाफ बड़ा एक्शन देखने को मिला है। बिहटा थाना की पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के जरिए 1 करोड़ 43 लाख रुपये के गबन के आरोप में एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुमार आर्यन (पिता- रामजी सिंह, निवासी- राघोपुर एसएस कॉलोनी) के रूप में हुई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी कुमार आर्यन को राघोपुर एसएस कॉलोनी से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार साइबर अपराधी के पास से पुलिस ने एक चेकबुक, ञ्जरू चार सिम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस बरामद मोबाइल और सिम कार्ड की जांच कर साइबर अपराध से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है। इसके साथ ही पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस मामले में उसके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। हर एंगल से तफ्तीश की जा रही है। दानापुर डीएसपी 2 अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि 17 अगस्त को हृष्ट्क्रपोर्टल के जरिए सूचना मिली कि एक व्यक्ति को डिजिटली अरेस्ट किया गया। उस व्यक्ति से एक करोड़ 43 लाख रुपया की ठगी की गई है। रोहित कुमार नामक व्यक्ति के द्वारा बिहटा के राघोपुर निवासी कुमार आर्यन और उमेश सिंह के खातों में पैसा भेजा गया है। इसके बाद पुलिस की टीम के द्वारा जांच शुरू की गई और इस मामले में पुलिस ने कुमार आर्यन को गिरफ्तार किया। जिसके पास से दो मोबाइल फोन, कई सिम, जिस अकाउंट में पैसा मंगाया गया उस अकाउंट का पासबुक, एटीएम कार्ड भी बरामद किया गया है।

बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट हुआ जारी, 27,969 अभ्यर्थी चयनित

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस के सिपाही भर्ती को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती ने तीन अलग-अलग विज्ञापनों के तहत आयोजित लिखित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को अब चयन प्रक्रिया के दूसरे चरण शारीरिक दक्षता परीक्षा और शारीरिक जांच एवं माप यानी क्क्म्वञ्ज/क्क्स्ज्ज के लिए बुलाया जाएगा। 27,969 अभ्यर्थी हुए चयनित : पर्षद की ओर से चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती के अनुसार तीन विज्ञापनों (03/2025, 01/2026 और 02/2026) के तहत ऑनलाइन माध्यम से कुल 16 लाख से अधिक वैध आवेदन प्राप्त हुए थे। लिखित परीक्षा के बाद अब कुल 27,969 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा, शारीरिक जांच एवं माप यानी क्क्म्वञ्ज/क्क्स्ज्ज के लिए चयनित किया गया है। इनमें पुरुष अभ्यर्थियों की संख्या 17,959 है। जबकि महिला अभ्यर्थियों की संख्या 9,994 है। वहीं 16 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी भी अगले चरण के लिए चयनित हुए हैं। कुल चयनित अभ्यर्थियों में 434 स्वतंत्रता सेनानी के आश्रित भी शामिल हैं। सिर्फ पर्षद की वेबसाइट पर भरोसा करें" : केंद्रीय चयन पर्षद के मुताबिक क्क्म्वञ्ज/क्क्स्ज्ज कार्यक्रम की सूचना केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती की आधिकारिक वेबसाइट पर अलग से जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आगे की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी के लिए केवल पर्षद की वेबसाइट पर प्रकाशित आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें। पर्षद ने अभ्यर्थियों को किसी भी तरह के फर्जी फोन, संदेश या व्यक्ति के झांसे में नहीं आने की चेतावनी दी है। चयन प्रक्रिया पूरी तरह स्वच्छ और कदाचार मुक्त रखने की बात कही गई है। पर्षद के अनुसार अंतिम चयन अभ्यर्थियों की मेधा और परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

टीआरई-4 में 32388 पदों के साथ भाषा और विषय के 886 नए पद जोड़ने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षक भर्ती के चौथे चरण यानी टीआरई -4 को लेकर अभ्यर्थियों के लिए एक और अहम अपडेट सामने आया है। 32388 स्वीकृत पदों पर भर्ती के विज्ञापन के साथ अब विभिन्न भाषाओं और विषयों के 886 अतिरिक्त पद जोड़ने की प्रक्रिया भी की जा रही है। इनमें मगही, मैथिली, ललित कला, प्राकृत समेत आठ भाषाओं और विषयों के 810 पद तथा कृषि विषय के 76 पद शामिल हैं।

''इन अवसरों के जरिए बिहार के हजारों योग्य युवाओं को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ने का मौका मिलेगा। युवाओं के लिए भविष्य का द्वार खुला है, आप सभी भविष्य के निर्माता बनकर आइए। डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर शिक्षा से जुड़े अच्छे विचार और नवाचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाए जा सकते हैं।''

क्षेत्रीय भाषाओं के लिए विशेष केंद्र : बहरहाल, बिहार में क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण, अध्ययन और शोध को बढ़ावा देने के लिए अब भोजपुरी, मगही, मैथिली और अंगिका समेत अलग-अलग क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक-एक विशेष केंद्र स्थापित किया जाएगा। इन केंद्रों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की तैयारी है।

क्षेत्रीय भाषाएं बिहार की सांस्कृतिक पहचान' : शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को महेंद्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद में समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं बिहार की सांस्कृतिक पहचान हैं और इनके अध्ययन के लिए बेहतर संस्थागत व्यवस्था तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता और शिक्षकों के मूल्यांकन को भी विशेष प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

'स्मार्ट तरीके से काम करने की जरूरत' : शिक्षा मंत्री ने SCERT के अधिकारियों और व्याख्याताओं के साथ बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े कई मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने व्याख्याताओं से कहा कि अब केवल अधिक मेहनत करने के बजाय स्मार्ट तरीके से काम करने की जरूरत है। हर व्याख्याता अपने काम के लिए स्पष्ट टारगेट तय करे और उसके अनुरूप परिणाम हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े।

'लेक्चरर से बड़ा कोई लीडर नहीं' : बैठक में स्ष्श्रञ्ज के सभी 11 विभागों के कामकाज की समीक्षा की गई। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से विभागवार प्रगति और आगे की कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि SCERT के सामने राज्य के करीब छह लाख शिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास की बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए यहां होने वाला हर काम सीधे राज्य की शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने SCERT को एक परिवार बताते हुए कहा कि लेक्चरर से बड़ा लीडर कोई नहीं हो सकता।

SCERT स्टूडियो से शुरू होगा 'बिहार विद्यावाणी' पॉडकास्ट : शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ाने की दिशा में SCERT के स्टूडियो से जल्द ही 'बिहार विद्यावाणी' नाम से पॉडकास्ट शुरू किया जाएगा। इसके जरिए शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, नए प्रयोगों, शिक्षकों के लिए उपयोगी जानकारियों और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को व्यापक स्तर तक पहुंचाने की योजना है।

'हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान' पोर्टल भी होगा लॉन्च : शिक्षा मंत्री ने 'हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान' पोर्टल की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पोर्टल को लॉन्च करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके जरिए पूर्ववर्ती छात्रों से अपने उस विद्यालय को गोद लेने की अपील की जाएगी, जहां उन्होंने पढ़ाई की है। इससे पुराने विद्यार्थियों और उनके स्कूलों के बीच संबंध मजबूत होने के साथ विद्यालयों के विकास में समाज की भागीदारी बढ़ाने की उम्मीद है।

मंत्री ने SCERT के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि टीम बेहतर काम कर रही है और समीक्षा बैठक में मिले कई सुझावों को तत्काल लागू किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के साथ एमओयू करने वाली सात स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ लाइव डिस्कशन कराने का भी निर्देश दिया। इसका उद्देश्य इन संस्थाओं के अनुभव और विशेषज्ञता का इस्तेमाल शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में करना है।

तेजस्वी ने श्रेयसी सिंह वाला नशा तो नहीं किया' श्रद्धांजलि सभा वाला वीडियो पर बवाल

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के श्रद्धांजलि सभा वाला वीडियो पर जमकर खिंचाई की, जिसमें नेता प्रतिपक्ष जीतन राम मांझी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसपर केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया ङ्ग हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा 'नशा शराब में होती तो नाचती बोतल'। लगता है बाबू साहब (तेजस्वी) का रात वाला उतरा नहीं था। इसलिए मुझे श्रद्धांजलि दे रहें हैं।'

मांझी की तेजस्वी को चेतावनी

मांझी ने आगे कहा कि अगर हालात नहीं सुधरें तो आने वाले वक्त में ये जनाब जीते जी अपने पिता लालू जी एवं राबड़ी जी को भी श्रद्धांजलि दे देंगें। नशा कुछ भी करा सकता है। मांझी ने कहा कि 'नॉर्मल आदमी ऐसी बात नहीं बोल सकता है। अब तेजस्वी यादव किस पदार्थ का सेवन करते हैं। नशा में कोई भी एबनॉर्मल हो सकता है। मुझे नहीं लगता है, उनका कोई और मकसद था। अगर होगा भी तो पूरा नहीं होने वाला है। इतनी जल्दी हम दुनिया से नहीं जाने वाले हैं।'

तेजस्वी यादव का मामला समझिए

17 अगस्त सोमवार को राजद कार्यालय में माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित की गयी थी। इस दौरान बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संबोधित करने के दौरान तेजस्वी यादव की जुबान फिसल गयी। तेजस्वी ने कहा कि 'जीतन राम मांझी जी के श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित', हालांकि बीच में किसी ने टोका इसके बाद सुधार करते हुए दशरथ मांझी का नाम लिया।

रोहिणी आचार्य का पलटवार

जीतन राम मांझी के ट्वीट के कुछ ही घंटे बाद रोहिणी आचार्य ने उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने जीतन राम मांझी और सत्ता पक्ष से सवाल पूछते हुए लिखा कि 'कही बीजेपी की श्रेयसी सिंह वाला नशा तो नही किया था प्रतिपक्ष के नेता बीजेपी की श्रेयसी सिंह पर बोलने की औकात नहीं है सामंतियों के इस गुलाम की।'

रोहिणी का मांझी पर तंज

रोहिणी ने आगे लिखा कि 'सम्मान उम्र देखकर नहीं, आचरण को देखकर दिया जाता है। पिता की उम्र का होकर भी घटिया हो, वह आदर के लायक नहीं होता।' उन्होंने तेजस्वी के बचाव में सीधे मांझी के बयान और उनके आचरण पर कड़ा प्रहार किया।

मंत्री श्रेयसी सिंह का मामला

15 अगस्त को स्वतंत्रता समारोह के दौरान बिहार सरकार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह सीतामढ़ी में थीं। ध्वजारोहण के दौरान श्रेयसी सिंह की जुबान फिसल गई। श्रेयसी सिंह ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपति और लोक नायक जय प्रकाश नारायण को जन प्रकाश कहा। रोहिणी आचार्य ने इसी का संदर्भ लेते हुए जीतन राम मांझी को निशाने पर लिया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब गलती बीजेपी के मंत्री से हो सकती है तो नेता प्रतिपक्ष से क्यों नहीं।

पटना हाईकोर्ट में रिकॉर्ड 17,107 मामलों का निपटारा, 24 घंटे में जमानत याचिका लिस्टिंग की व्यवस्था

पटना, एजेंसी। बिहार की पटना हाईकोर्ट के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। वर्षों से मुकदमों के बोझ से दबे न्यायिक गलियारों में अब त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय की नई व्यवस्था हो रही है। इस अभूतपूर्व बदलाव के केंद्र बिन्दु पटना हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुधीर सिंह रहे हैं।

प्रशासनिक ढांचे में बड़ा सुधारः उनके पदभार संभालते ही हाईकोर्ट का प्रशासनिक ढांचा न केवल पूरी तरह मुस्तैद हो उठा है, बल्कि मुकदमों के निष्पादन में ऐसा ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम हुआ है। इसने न्याय प्रणाली के प्रति आम जनता के विश्वास को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।

मामलों के निष्पादन की तेज गतिः इस दौरान ऐतिहासिक रुप से मामलों की निष्पादन गति 111।13% की रही हैं। यह एक्टिंग चीफ जस्टिस सुधीर सिंह के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है। आंकड़ों के आईने में देखें तो जितने नए केस दर्ज हो रहे हैं, उससे कहीं अधिक गति से पुराने और लंबित मामलों को अंतिम अंजाम तक पहुँचाया जा रहा है।

मुकदमों के निपटारे का कीर्तिमानः इन आंकड़ों में नया कीर्तिमान यह है कि अवधि के दौरान जहाँ कुल 15,394 मामलें दायर किए गए, वहीं जस्टिस सुधीर सिंह के प्रशासनिक कौशल के बल पर कोर्ट ने 17,107 मुकदमों का ऐतिहासिक निपटारा कर दिया।

जमानत का निस्तारणः कुल 13,350 आपराधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिनमें से लगभग 12,000 केवल जमानत याचिकाएं थीं। कुल 3,757 सिविल मामलों को सुलझाया गया, जिनमें 2,850 महत्वपूर्ण रिट याचिकाएं शामिल हैं।

न्याय व्यवस्था की री-इंजीनियरिंगः 24 घंटे के भीतर जस्टिस सुधीर सिंह ने न्याय में होने वाली देरी को खत्म करने के लिए प्रक्रियात्मक व्यवस्था को पूरी तरह से री-इंजीनियर कर दिया है। यदि किसी जमानत याचिका में कोई तकनीकी त्रुटि नहीं पाई जाती है, तो उसे दाखिल किए जाने के 24 घंटे के भीतर सुनवाई के लिए लिस्ट किया जा रहा है।

क्रमबद्ध और पारदर्शी सुनवाईः सुव्यवस्थित जमानत, अवमानना और नई रिट याचिकाओं की नियमित, क्रमबद्ध और पारदर्शी सुनवाई की नई व्यवस्था लागू की गई है। इससे वकीलों और पक्षकारों दोनों को समयबद्ध न्याय मिल रहा है।

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुधीर सिंह की यह दृढ इच्छाशक्ति और दूरगामी प्रशासनिक सुधार इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि न्यायपालिका में यदि मजबूत नेतृत्व हो, तो वर्षों पुरानी लंबित समस्या को चुटकी में खतम किया जा सकता है।

बिहार की जनता को मिला भरोसाः समय पर जमानत और रिट याचिकाओं के इस शीघ्रता से निष्पादन से बिहार की जनता को यह भरोसा दिलाया है कि पटना हाईकोर्ट के दरवाजे उनके लिए सदैव मुस्तैदी और संवेदनशीलता के साथ खुले हैं।

दो गोली आंख और एक सीने में मारी, दवाई लाने गए शख्स की हत्या से हड़कंप

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में युवक का शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के रतनपुर पंचायत स्थित बरका बाबा चौक के पास युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उसे तीन गोली मारी गई है। पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है।

25 वर्षीय युवक की हत्याः मृतक की पहचान रतनपुर गांव निवासी संजीव कुमार ठाकुर के बेटे आदित्य माधव भारद्वाज उर्फ सत्यम कुमार के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। परिजनों ने कहा कि वह रात को दवाई लेने के लिए घर से निकले थे।

घर से दवा लेने निकला था आदित्यः मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब छह बजे आदित्य अपने कुछ दोस्तों के साथ बाइक से गांव के चौक पर दवा लेने गए थे। इसके बाद रात करीब आठ बजे उसने अपने पिता से फोन पर बातचीत भी की थी। बातचीत के करीब एक घंटे बाद रात 9 बजे स्थानीय चौकीदार ने परिजनों को सूचना दी कि आदित्य गंभीर अवस्था में पड़ा हुआ है। परिजन ने बताया कि चौकीदार से मिली सूचना के बाद जब हमलोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि किसी ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी है। उनको तीन गोली लगी है। दो गोली दोनों आंखों के पास और एक गोली सीने में लगी है।

मृतक की एक बेटी भीः मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि आदित्य माधव भारद्वाज शादीशुदा हैं। एक छोटी बेटी भी है। पत्नी अभी दिल्ली अपने रिश्तेदार से मिलने गई थी। शाम में अपने दोस्तों के साथ निकले थे। शायद उनकी बेटी को सर्दी-खांसी थी, उसी के लिए दवाई लेने निकले थे।

छानबीन में जुटी पुलिसः वहीं, पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद बेचन ने बताया कि रात करीब 9 बजे के आसपास सरपंच के द्वारा सूचना मिली थी कि किसी का सिर फूट गया है। जमीन पर गिरा हुआ है। जाकर देखा तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

पटना में 48 जगह बनेंगे इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग सेंटर, अधिक आबादी वाले 22 इलाकों में होगी सुविधा

पटना, एजेंसी। बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच अब पटना में चार्जिंग की समस्या को दूर करने की तैयारी तेज हो गई है। पटना जिला परिवहन कार्यालय ने शहर और जिले में कुल 48 स्थानों को इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग सेंटर के लिए चिह्नित किया है। इनमें 22 स्थान ऐसे इलाकों में हैं, जहां आबादी और इलेक्ट्रिक वाहनों की आवाजाही अधिक है।

इन वाहन के चालकों को राहतः इन जगहों पर चार्जिंग सेंटर के निर्माण के लिए स्थान उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अब निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इससे इलेक्ट्रिक कार, बाइक, स्कूटी, ई-रिक्शा और दूसरे इलेक्ट्रिक वाहनों के चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रिक वाहन की खरीदारी में आएगी तेजीः पटना जिला परिवहन कार्यालय के मुताबिक, जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केवल इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके लिए चार्जिंग की सुविधा तैयार करना भी जरूरी है। इसी जरूरत को देखते हुए चिह्नित स्थानों पर चार्जिंग सेंटर विकसित किए जाएंगे।

हर चार्जिंग स्टेशन पर 5 से 6 चार्जिंग पॉइंटः योजना के तहत जहां इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या ज्यादा है, वहां अधिक चार्जिंग मशीनें लगाने की तैयारी है। चयनित पांच स्थानों पर करीब पांच से छह चार्जिंग मशीनें लगाई जाएंगी, जबकि अन्य स्थानों पर तीन से चार मशीनें लगाने की योजना है।

22 इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर होगी सुविधाः पटना जिले में अधिक आबादी और इलेक्ट्रिक वाहनों की आवाजाही वाले जिन 22 इलाकों को प्राथमिकता में रखा गया है, उनमें एएन कॉलेज, बेउर मोड़, भूतनाथ रोड, सरकारी बस स्टैंड पालीगंज, सरकारी बस स्टैंड नौबतपुर, सरकारी बस स्टैंड पटना और हरिश्चंद्रनगर शामिल हैं।

इन इलाकों में भी होगी चार्जिंग सुविधाः इसके अलावा गांधी कॉलेज, कंकड़बाग मेन रोड, खाजेकलां गंगा पथ, गर्दनीबाग और चित्रगुप्त नगर, अनीसाबाद में भी चार्जिंग सेंटर विकसित किए जाने हैं। इन स्थानों के चयन का उद्देश्य लोगों को अपने रोजमर्रा के आवागमन के दौरान आसानी से चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराना है।

पापा के साथ कोर्ट में मौजूद था 10 साल का बेटा और 7 साल की बेटी, जज ने सुनायी उम्रकैद की सजा

बेतिया , एजेंसी। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ माधवेंद्र मिश्रा की अदालत ने मंगलवार को पत्नी की हत्या से जुड़े धनहा कांड संख्या 182/2020 में दोषी पति को आजीवन कारावास और एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। वहीं साक्ष्य छुपाने में धारा 201 के तहत 7 साल की कारावास और 25 हजार दंड की सजा सुनाई गई। अर्थदंड न देने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास काटना पड़ेगा। मृतका रीना देवी की मां थाना पिपरासी, थोरी बाजार निवासी इंदु देवी ने 30 जुलाई 2020 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

मासूमों के सामने पिता को उम्रकैद की सजा : फैसला सुनाने के दौरान कोर्ट का माहौल बेहद भावुक हो गया। न्यायाधीश ने जैसे ही बच्चों के सामने उनके पिता को सजा सुनाई, वैसे ही कोर्ट रूम में सन्नाटा पसर गया। दस साल का अगस्त और सात साल की अंजलि अपने पिता सुभाष यादव को सुनाई जा रही उम्रकैद की सजा को चुपचाप सुन रहे थे।

मासूमों के सामने भविष्य का संकट : दोनों मासूमों को शायद यह भी पूरी तरह समझ नहीं आ रहा था कि आजीवन कारावास क्या होता है जिस पिता के साथ उन्हें बचपन बिताना था, उसी पिता को मां की हत्या के जुर्म में अदालत ने उम्रकैद की सजा दे दी। दोनों बच्चों की मां रीना देवी की करीब 6 साल पहले हत्या हो गई थी। इस फैसले के बाद अब मां के बाद पिता का साया भी बच्चों के सिर से हमेशा के लिए उठ गया है।

दादा-दादी के पास रहते हैं दोनों : अगस्त और अंजलि फिलहाल अपने दादा-दादी के पास रहते हैं। अगस्त गांव के सरकारी विद्यालय में पांचवी कक्षा का छात्र है। कोर्ट के फैसले के दौरान कोर्ट में मौजूद दोनों बच्चों की मासूमियत देखकर हर कोई भावुक हो गया। अगस्त से जब पूछा गया तो उसे आजीवन कारावास का मतलब तक पता नहीं था। हालांकि इस फैसले ने दोनों की बचपन की पूरी तस्वीर हमेशा के लिए बदल कर रख दी है।

कोर्ट ने जतायी बच्चों की चिंता : एक ओर अदालत ने हत्या जैसे गंभीर अपराध के लिए दोषी सुभाष यादव को कठोर सजा सुनाई, वहीं दूसरी ओर न्यायाधीश ने उन बच्चों के भविष्य की चिंता भी की। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ ने दोनों बच्चों की दयनीय स्थिति को देखते हुए जिला बाल संरक्षण इकाई, पश्चिमी चंपारण को आवश्यक निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि मां की हत्या हो चुकी है और पिता के जेल में रहने के कारण बच्चों के पालन-पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

परवरिश योजना से जोड़ा गया : अदालत ने निर्देश दिया है कि दोनों बच्चों को एक महीने के भीतर बिहार सरकार स्पॉन्सरशिप अथवा परवरिश योजना से जोड़ा जाए। योजना के तहत पात्र बच्चों को बालिक होने तक प्रति बच्चा हर माह 4000 की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके अलावा बच्चों के राहत एवं पुनर्वास के लिए चार-चार लाख रुपए की सहायता दिलाने का भी निर्देश प्रशासन को दिया गया।

दहेज के लिए जघन्य अपराध : बता दें कि मृतका रीना देवी की मां ने आरोप लगाया था कि रीना के पति बैरा टोला मुसहरी थाना धनहा निवासी सुभाष और उनके ससुर की ओर से सोने की चेन, बाइक, भैंस की मांग की जा रही थी। नहीं देने पर रीना की गला दबाकर हत्या कर दी गई और शव को ठिकाने लगा दिया गया। 30 जुलाई को भपसा नदी के किनारे मथुरा सिंह के खेत के पास पेड़ के नीचे रीना का अधजला शव मिला, जिसके दोनों हाथ और पैर गायब थे।

अंतिम अदालती आदेश : वहीं बचाव पक्ष ने कम सजा देने की मांग की। न्यायालय ने अपराध की प्रकृति और दोषी की भूमिका को देखते हुए सुभाष यादव को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और एक लाख अर्थदंड और धारा 201 के तहत 7 वर्ष कारावास और 25000 अर्थ दंड की सजा सुनाई है। अर्थ दंड नहीं देने पर दोनों धाराओं में अलग-अलग अवधि का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। दोषी द्वारा पूर्व में जेल में बिताई गई अवधि को इस मुख्य सजा में समायोजित किया जाएगा।

155 तस्वीरों में कैमरे से दिखा बदलता भारत

लखनऊ, एजेंसी। एक ही कैमरा लेकिन देखने के 155 से ज्यादा अंदाज। कहीं प्रकृति का विस्तार है तो कहीं जिंदगी के दस्तावेज, कहीं फैशन की चमक तो कहीं ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में समय की कहानी। विश्व फोटोग्राफी दिवस के मौके पर राजधानी में सजी छठी ऑल इंडिया फोटोग्राफी प्रदर्शनी में देश के अलग-अलग हिस्सों की ऐसी ही तस्वीरें एक साथ नजर आ रही हैं। इस बार प्रदर्शनी भारतीय फोटोजर्नलिज्म को अलग पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दिग्गज छायाकार पद्मश्री रघु राय को समर्पित है।

कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की ओर से कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स में मंगलवार से शुरू हुई प्रदर्शनी में 80 से अधिक फोटोग्राफरों की 155 से ज्यादा तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। बुधवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक डॉ. नीरज बोरा और लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

ब्लैक एंड व्हाइट से डिजिटल मैनिपुलेशन तक

1957 में स्थापित कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी के पुनर्गठन के बाद यह प्रदर्शनी श्रृंखला का छठा संस्करण है। प्रदर्शनी में 43 ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें हैं, जो फोटोग्राफी के उस दौर की याद दिलाती हैं जब तस्वीरों में रंग नहीं, बल्कि रोशनी, छाया और भाव कहानी कहते थे। वहीं क्रिएटिव, फैशन-ग्लैमर, प्रोडक्ट, वाइल्डलाइफ, लैंडस्केप और डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी की तस्वीरें कैमरे की बदलती भाषा को सामने रखती हैं। अरुणा सिंह, अतुल हुंडू, रवि पांडेय, राजश्री सेनगुप्ता और पूनम नायक समेत कई फोटोग्राफरों की तस्वीरें प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र हैं।

यहां सिर्फ तस्वीरें ही नहीं, बल्कि फोटोग्राफी के इतिहास की झलक भी देखने को मिल रही है। दुर्लभ फोटोग्राफी पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन किया गया है। इनमें कुछ पुस्तकें कॉलेज के संग्रह में 100 वर्ष से अधिक समय से सुरक्षित हैं। प्रसिद्ध फोटोग्राफर और आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर पीसी लिटिल की दो डिजिटल मैनिपुलेशन कृतियां भी प्रदर्शित हैं। उन्होंने फोटोग्राफरों की कई पीढ़ियों को तैयार किया और देशभर के कई छायाकार उन्हें अपना गुरु मानते हैं।

कैमरे के पीछे की कला भी सीखेंगे युवा

प्रदर्शनी को सिर्फ तस्वीरें देखने तक सीमित नहीं रखा गया है। विद्यार्थियों और युवा फोटोग्राफरों के लिए दो कार्यशालाएं भी आयोजित होंगी। 19 अगस्त को दोपहर 1=30 बजे निफ्ट में प्रो. सचिन वर्मा फैशन फोटोग्राफी की बारीकियां बताएंगे। 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे दिल्ली की फोटोग्राफी विशेषज्ञ तनुश्री श्रीवास्तव कम्पोजीशन और पोर्ट्रेट लाइटिंग पर कार्यशाला लेंगी। दोनों कार्यशालाओं में प्रवेश निशुल्क है।

मुख्य समन्वयक अतुल हुंडू ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य तस्वीरें दिखाने तक सीमित नहीं है। इसके जरिये फोटोग्राफी की कला, इतिहास, तकनीक और बदलते स्वरूप को समझने का अवसर देना है। प्राचार्य रतन कुमार और शिक्षक आलोक कुमार ने भी आयोजन को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। आयोजन में मयंक रस्तोगी, यश पाल, वेदांत, यश्वी, सौरभ, पायल और अक्षत समेत छात्र समिति के सदस्यों ने सहयोग किया। प्रदर्शनी 20 अगस्त तक सुबह 10 से शाम 6 बजे तक दर्शकों के लिए निशुल्क खुली रहेगी।

जानिये कौन थे रघु राय

रघु राय का जन्म साल 1942 में पंजाब के झांग में हुआ था। अब यह इलाका पाकिस्तान का हिस्सा है। रघु राय ने साल 1962 में अपने बड़े भाई एस पॉल के साथ फोटोग्राफी सीखना शुरू किया। राय ने 1984 में भोपाल गैस त्रासदी को भी अपने कैमरे में कैद किया था। रघु राय ने भारत के लोगों, संस्कृति और शहरों पर 18 से ज्यादा किताबें लिखीं। साल 1972 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की कवरेज के लिए उन्हें पद्मश्री सम्मान से भी सम्मानित किया गया। वे अंतरराष्ट्रीय एजेंसी %%मैग्नम फोटोज%% के सदस्य भी रहे। 26 अप्रैल 2026 को उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

संक्षिप्त समाचार

रिजल्ट के बाद भी नहीं मिली अंकतालिका, एसटीईटी की डेडलाइन ने बढ़ाई चिंता

आगरा, एजेंसी। बीएड 2024-26 बैच के परीक्षार्थियों का परिणाम जारी हुए करीब एक महीना बीत गया, लेकिन अभी तक अंकतालिका जारी नहीं हो सकी है। इससे विद्यार्थी परेशान हैं। बिहार माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) के आवेदन की अंतिम तारीख 31 अगस्त में नजदीक आ गई है। विद्यार्थी निरंजन का कहना है कि अंकतालिका नहीं मिलने के कारण उन्हें आगे की प्रक्रिया को लेकर चिंता है। छात्र रोहित और अमित ने बताया कि बीएड का परिणाम जारी होने के बाद उम्मीद थी कि जल्द अंकतालिका भी उपलब्ध करा दी जाएगी। करीब एक माह बीतने के बाद भी अंकतालिका नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। बताया कि बिहार एसटीईटी के लिए आवेदन की अंतिम तारीख भी नजदीक आ गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को डर है कि समय पर अंकतालिका नहीं मिली तो आवेदन प्रक्रिया में दिक्कत आ सकती है। इसलिए मांग है कि विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द बीएड 2024-26 की अंकतालिकाएं जारी करे। उनका कहना है कि परिणाम आने के बाद अंकतालिका जारी करने में देरी से आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं और शिक्षक पात्रता परीक्षाओं के आवेदन प्रभावित हो रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने बताया कि विद्यार्थियों की अंकतालिका वाली समस्या का जल्द-से-जल्द निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा।

शोध को समाज और राष्ट्र की जरूरतों से जोड़ें शोधार्थी

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में आयोजित शोधार्थी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शोधार्थी सिर्फ डिग्री तक सीमित न रहें बल्कि अपने शोध को समाज और राष्ट्र की जरूरतों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आज देश को विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भूमिका चाहिए। 'जय जवान, जय किसान' से आगे बढ़कर 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' आज समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डिग्री आपको योग्यता देती है, जबकि कौशल आपको रोजगार योग्य बनाता है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि शोधार्थी विश्वविद्यालय की रीढ़ हैं और गुणवत्तापूर्ण शोध से ही संस्थान की पहचान बनती है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वालों की संख्या 35 से बढ़कर 478 तक पहुंची है। उन्होंने शोधार्थियों को शिक्षण व्यवस्था में महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए उन्हें आगे भी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 1000 से अधिक पेटेंट की दिशा में अग्रसर है और पेटेंट फाइलिंग में देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल हो चुका है। वर्तमान में 450 से अधिक शोध परियोजनाएं चल रही हैं तथा लगभग तीन करोड़ रुपये का शोध अनुदान प्राप्त है। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. शांतनु रस्तोगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. तुलिका मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक इकाई 'तरंग' की प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के विजेता को भी सम्मानित किया गया। 478 को पीएचडी उपाधि : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मंगलवार को 45वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत आयोजित 'शोधार्थी सम्मान समारोह-2026' में 478 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई।

आठ महीने में बसपा ने बदले छह जिलाध्यक्ष, दो का कार्यकाल 15 दिन से भी कम

गोरखपुर, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में गोरखपुर जिले के संगठन में बदलाव का सिलसिला थम नहीं रहा है। करीब आठ महीने में पार्टी ने छह जिलाध्यक्ष बदल दिए हैं। इनमें दो जिलाध्यक्ष ऐसे रहे, जिनका कार्यकाल 15 दिन से भी कम रहा। लगातार हो रहे बदलाव से पार्टी कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति है। हालांकि पूर्व जिलाध्यक्षों को मंडल स्तर पर जिम्मेदारियां देकर संगठन में सक्रिय रखा गया है। जानकारी के अनुसार, दिलीप कुमार 20 जनवरी तक जिलाध्यक्ष रहे। इसके बाद 20 जनवरी को घनश्याम राही को जिम्मेदारी मिली लेकिन वह महज सात दिन ही पद पर रहे। 27 जनवरी को हरिप्रकाश निषाद ने जिलाध्यक्ष की कमान संभाली और 12 जून तक इस पद पर रहे। इसके बाद संतोष कुमार जिज्ञासु को जिलाध्यक्ष बनाया गया, जिन्होंने चार अगस्त तक जिम्मेदारी संभाली। चार अगस्त को श्री कपूर को जिलाध्यक्ष बनाया गया लेकिन उनका कार्यकाल भी महज 13 दिन रहा। 17 अगस्त को पार्टी ने जयकार प्रसाद को नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। इस तरह आठ महीने के भीतर छह चेहरों को जिले की कमान सौंपी जा चुकी है। लगातार जिलाध्यक्ष बदले जाने के बावजूद पार्टी ने पूर्व पदाधिकारियों को संगठन से अलग नहीं किया है। हरिप्रकाश निषाद को मंडल के पिछड़ा वर्ग भाईचारा का मंडल संयोजक बनाया गया है। वहीं, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री कपूर और संतोष कुमार जिज्ञासु को मुख्य मंडल प्रभारी, गोरखपुर की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी में लगातार नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा है। उनका मानना है कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिलाध्यक्ष पद पर स्थिरता जरूरी है। वहीं, पार्टी नेतृत्व के स्तर से इसे संगठन को सक्रिय करने और अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी देने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। अब नए जिलाध्यक्ष जयकार प्रसाद के सामने फिर से संगठन को स्थिरता देने, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की चुनौती होगी।

अब ईदगाह पर रुकेगी अमृत भारत एक्सप्रेस, प्रयागराज, राजस्थान और गुजरात की राह

आगरा, एजेंसी। आगरा के रेल यात्रियों को नई सुविधा मिलने जा रही है। प्रयागराज-उधना के बीच चलने वाली साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस का ईदगाह स्टेशन पर ठहराव तय होने से शहरवासी अब आसानी से प्रयागराज जाकर संगम स्नान कर सकेंगे। साथ ही राजस्थान के प्रमुख शहरों से होते हुए गुजरात तक सीधी रेल यात्रा कर सकेंगे। व्यापार, रोजगार और शिक्षा के लिए आने-जाने वालों के लिए यह सुविधा खास तौर पर राहत देने वाली होगी।

आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि गाड़ी संख्या 20437 प्रयागराज से 24 अगस्त से प्रत्येक सोमवार सुबह 5=20 बजे चलेगी और ईदगाह स्टेशन पर दोपहर 12=35 बजे पहुंचेगी। यहां पांच मिनट ठहराव के बाद दोपहर 12=40 बजे उधना के लिए रवाना होगी। ट्रेन बयाना, हिंडौन सिटी, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, भवानी मंडी, रतलाम और वडोदरा होते हुए उधना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 20438 उधना से 25 अगस्त से प्रत्येक मंगलवार सुबह 6=45 बजे रवाना होगी। यह ईदगाह स्टेशन पर रात 9=55 बजे पहुंचेगी और पांच मिनट बाद रात 10 बजे प्रयागराज के लिए रवाना होगी। इससे प्रयागराज से लौटने वाले यात्रियों को रात में आगरा उतरने की सुविधा भी मिलेगी।

इन स्थानों का भी कर सकेंगे दीदार

हिंडौन सिटी में कैलादेवी और नृसिंह जी का मंदिर धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। गंगापुर सिटी में महावीर जैन मंदिर और घड़मोरा ऐतिहासिक आकर्षण हैं। सवाई माधोपुर रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, रणथंभौर किले और त्रिनेत्र गणेश मंदिर के कारण देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। कोटा में सेवन वंडर्स पार्क, चंबल गार्डन और किशोर सागर प्रमुख स्थल हैं। रामगंज मंडी व भवानी मंडी में धार्मिक पर्यटन की संभावना है। रतलाम में कालिका माता सहित प्रमुख मंदिर हैं, जबकि वडोदरा में लक्ष्मी विलास पैलेस, ईएमई मंदिर और कीर्ति मंदिर पर्यटन के केंद्र हैं।

अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों पर सख्ती, 200 के चालान

अलीगढ़ , एजेंसी। तहसील कोल के बाहर जीटी रोड पर अवैध पार्किंग और लगातार लगने वाले जाम की समस्या के समाधान के लिए मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस ने सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े 200 वाहनों के चालान काटे गए और कई वाहनों को जब्त किया गया, जिससे सड़क पर वाहन खड़े करने वालों में खलबली मच गई।

अभियान के दौरान तहसील में अपने जरूरी काम से आए कुछ लोगों की पुलिसकर्मियों से नोकझोंक भी हुई। लोगों का कहना था कि तहसील के बाहर पर्याप्त पार्किंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस कारण उन्हें मजबूरी में अपने वाहन सड़क के किनारे खड़े करने पड़ते हैं। पुलिस अधिकारियों का तर्क था कि सड़क पर वाहन खड़े होने के कारण जीटी रोड पर आए दिन गंभीर जाम की स्थिति बन रही थी।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शों के विरुद्ध भी इस अभियान के तहत कड़ी कार्रवाई की गई। दस्तावेजों और निर्धारित मानकों में कमियां पाए जाने पर कई ई-रिक्शों को सीज कर दिया गया, साथ ही चालकों को भविष्य में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी गई। एसपी ट्रैफिक प्रवीण कुमार ने बताया कि तहसील कोल के बाहर जीटी रोड पर अवैध पार्किंग की यह समस्या काफी लंबे समय से चली आ रही थी। यातायात व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध पार्किंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मौसम बदलते ही बच्चों पर हमला कर रहा संक्रमण, तेज बुखार-खांसी और जुकाम

आगरा, एजेंसी। मौसम के बदलते ही बच्चों में अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इस बीमारी की चपेट में आने पर बच्चों को तेज बुखार, लगातार खांसी और बहती नाक या जुकाम जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि तीन-चार दिन बीत जाने के बाद भी बच्चे की स्थिति में कोई सुधार न दिखे या लक्षण बिगड़ने लगे, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश दयाल ने बताया कि संक्रमण गंभीर होने पर बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। ऐसे मामलों में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इसमें मरीज को बुखार की दवाओं के साथ एंटीबायोटिक उपचार भी दिया जाता है। इसलिए शुरुआती दौर में ही बच्चे पर ध्यान देना बेहद ज़रूरी है।

इसका रखें ध्यान

-बारिश और नम मौसम में बच्चों को बाहर न निकाले, क्योंकि इस मौसम में बैक्टीरिया व वायरस तेजी से फैलते हैं।

- घर या बाहर जिस किसी व्यक्ति को खांसी या जुकाम हो, उसे बच्चों के पास न आने दें और न ही बच्चों को उनके संपर्क में जाने दें।

- यदि मां को स्वयं जुकाम या खांसी की शिकायत है, तो बच्चे को दूध पिलाते समय अनिवार्य रूप से मास्क लगाएं ताकि संक्रमण बच्चे तक न पहुंचे।

- बच्चों में इसके लक्षण दिखते ही लापरवाही न बरतें और स्थिति में सुधार न होने पर तुरंत नजदीकी बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 36 सीए की जांच हुई शुरू; फर्जी ट्रस्ट-शेल कंपनियों से विदेश भेजी रकम

आगरा, एजेंसी। फर्जी कागजातों और शेल कंपनियों के जरिए विभिन्न कंपनियों के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड को विदेश भेजने के मामले में आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। विभाग ने आगरा समेत देशभर में संदिग्ध आउटवर्ड फॉरेन रेमिटेंस (विदेशी प्रेषण) की जांच और सत्यापन का अभियान शुरू किया, जिसमें 36 चार्टर्ड एकाउंटेंटों की जांच चल रही है। इनमें आगरा के ताजगंज क्षेत्र के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) भी हैं। आयकर अधिकारियों की एक टीम सीए के अलावा मथुरा के एक ट्रस्ट से जुड़े लोगों के मुंबई स्थित ठिकानों पर भी सर्वे कर रही है।

आयकर विभाग के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के गहन विश्लेषण और खुफिया जानकारियों के आधार पर एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ हुआ है। विभाग ने मथुरा में पंजीकृत एक ट्रस्ट और उससे जुड़े दो सीए समेत करीब आधा दर्जन ठिकानों पर जांच कर कई हजार करोड़ के कालेधन को विदेश भेजने का खुलासा किया था।

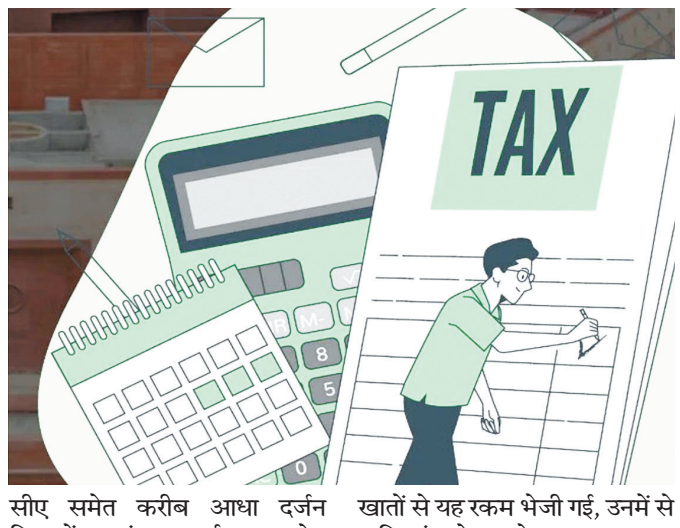

इसी जांच में खुलासा हुआ कि फर्जी चैरिटेबल ट्रस्टों और बोगस डोनेशन के जरिए भारी मात्रा में धन विदेश भेजा जा रहा था। जिन फर्मों के खातों से यह रकम भेजी गई, उनमें से अधिकांश ने या तो अपना आयकर रिटर्न दाखिल ही नहीं किया था या फिर बेहद कम टर्नओवर दर्शाया था। फर्जी पतों पर चल रही इन कंपनियों ने सॉफ्टवेयर आयात, कंसल्टिंग और फ्रेट पेमेंट जैसे कारण बताकर विदेशी मुद्रा बाहर भेजी।

पेशेवरों की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे खेल में फॉर्म 15 सीबी जारी करने वाले पेशेवरों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। नियमों के मुताबिक, किसी भी विदेशी भुगतान से पहले सीए को खातों की निष्पक्ष जांच और सत्यापन करना अनिवार्य होता है, लेकिन कुछ सीए ने बिना किसी उचित जांच के सर्टिफिकेट जारी कर दिए। इसी के तहत ताजगंज निवासी सीए द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्रों और विदेशी लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की आयकर विभाग गहनता से जांच कर रहा है। देश भर में 394 संदिग्ध इकाइयों जिनमें सीमावर्ती राज्यों की 117 इकाइयां शामिल हैं और 36 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

सीबीडीटी की प्रवक्ता और आयकर आयुक्त (मीडिया एवं तकनीकी नीति) वी. रजिथा ने स्पष्ट किया कि फॉर्म 15ष्क्क146 जारी करने वाले पेशेवरों को पूरी निष्ठा और पेशेवर सतर्कता से काम करना होगा।

बीएएमएस छात्रों का दर्द कोई तो सुने, आधी रात को कुलपति आवास पर धरना; एक ही विषय में फेल किए सैकड़ों छात्र

आगरा, एजेंसी। पंचकर्म विषय में बड़ी संख्या में फेल होने के विरोध में मंगलवार को बीएएमएस विद्यार्थियों को ने दोपहर से रात तक डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया। दोपहर में विद्यार्थियों ने पालीवाल पार्क स्थित परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद शाम छह बजे से खंदारी कैंपस में कुलपति कैंप कार्यालय के बाहर विद्यार्थियों का प्रदर्शन शुरू हुआ, जो रात करीब 8=30 बजे तक चला।

विद्यार्थियों ने पंचकर्म विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराने और परिणाम की दोबारा समीक्षा की मांग की। प्रदर्शन में एनएसयूआई और समाजवादी छात्र संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी विद्यार्थियों के साथ शामिल रहे। विद्यार्थी आर्यन का कहना है कि बीएएमएस का साढ़े पांच साल का पाठ्यक्रम है, जिसमें साढ़े चार साल थ्योरी-प्रैक्टिकल और एक साल की इंटर्नशिप होती है। विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रक्रिया में देरी के कारण कोर्स पूरा होने में करीब सात साल लग गए। सात साल बाद परीक्षा हुई तो अधिकांश विद्यार्थियों को एक ही विषय पंचकर्म में फेल कर दिया गया। छात्र नीरज ने बताया, किसी को पंचकर्म में 20, किसी को 21 और किसी को 29 अंक दिए गए हैं, जबकि वे अन्य सभी विषयों में पास हैं।

विद्यार्थी विकास ने सवाल उठाया कि एक ही विषय में इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को इतने कम अंक कैसे दिए गए। यदि विश्वविद्यालय ने जल्द हमारी समस्या का निस्तारण नहीं किया तो हम परास्नातक का फॉर्म भरने से वंचित रह जाएंगे।विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया। समाजवादी छात्र सभा जिला महासचिव तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया कि जब वह विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय पहुंचे तो छात्रों को देखकर परीक्षा नियंत्रक और कुलपति प्रो. आशु रानी भी वहां से चली गईं।

बच्चों की ली क्लास, खुद चखा मिड-डे-मील

13 स्कूलों के कायाकल्प का किया ऐलान

आगरा, एजेंसी। आगरा के जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार दोपहर एक बजे खंदौली ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और कंपोजिट स्कूल उजरई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने न सिर्फ शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों की क्लास ली, बल्कि मिड-डे-मील की गुणवत्ता खुद खाकर परखी। निरीक्षण के बाद डीएम ने जिले के सभी 13 कस्तूरबा विद्यालयों को सीएसआर फंड से हाईटेक बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के तत्काल बाद डीएम सीधे उजरई स्थित विद्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने छात्राओं से उनकी दिनचर्या, भोजन, गीजर की सुविधा और पढ़ाई को लेकर सीधे सवाल किए। डीएम ने किताब हाथ में लेकर छात्राओं से विज्ञान में कोशिका और अंग्रेजी के शब्दों के अर्थ पूछे, जिनके सही जवाब मिलने पर वह शिक्षा के स्तर से संतुष्ट नजर आए। उच्चीकृत विद्यालय की कक्षा 9 और 10 की छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन के प्रति जागरूक करते किया। छात्राओं को अपने अभिभावकों को भी इसके बारे में बताने की सलाह दी।

इसके बाद कंपोजिट स्कूल में डीएम ने ब्लैकबोर्ड पर बच्चों से सवाल हल कराए और उन्हें बड़े सपने देखने व कड़ी मेहनत करने का मंत्र दिया। इस दौरान बीएसए राकेश कुमार सिंह, बीईओ सुमित कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीएसआर फंड से होगा कायाकल्प

जिले के 13 कस्तूरबा विद्यालयों में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड से स्मार्ट क्लास, उच्चीकृत लैब, फर्नीचर, खेलकूद सामग्री और भवनों की मरम्मत के कार्य कराए जाएंगे। डीएम मनीष बंसल ने शिक्षा विभाग को जल्द पारदर्शी एस्टीमेट बनाने और कार्यों की गुणवत्ता व निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं।

एफसीआई के सेवानिवृत्त अधिकारी व पत्नी को रखा 19 दिन डिजिटल अरेस्ट, वसूले 42 लाख

लखनऊ, एजेंसी। कैसरबाग के लालबाग निवासी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से सेवानिवृत्त अधिकारी अंसार जमाल अब्बासी व उनकी पत्नी साइबर जालसाजों के जाल में फंस गए। साइबर जालसाजों ने 19 दिन तक दंपती को डिजिटल अरेस्ट रखा और फिर 42 लाख वसूल लिए। ठगों ने दंपती को जेट एयरवेज के मालिक मनीष गोयल के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी बताया था। पीड़ित की तहरीर पर 14 अगस्त को साइबर अपराध थाने में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अंसार जमाल ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि 23 जुलाई को दोपहर करीब 1=32 बजे उन्हें व्हाट्सएप पर एक ऑडियो कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि पुलवामा हमले के मामले में पकड़े गए आतंकवादियों ने पूछताछ में मनीष गोयल का नाम लिया था। ठग ने बताया कि उसके पास से मिले दस्तावेजों की जांच में पता चला कि तुम्हारे नाम से सिम कार्ड खरीदा गया है। तुम्हारे नाम पर कर्नाटक स्थित आईसीआईसीआई बैंक में खाता भी है। ठग ने कहा कि इसलिए तुम दोषी हो मगर वरिष्ठ नागरिक होने के नाते तुम्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। तुम्हें और तुम्हारी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है। इसके बाद ठग ने अंसार से पूछताछ शुरू कर दी जो रात दस बजे तक चली। उसने सभी बैंक खातों, एफडी और पत्नी के गहनों की जानकारी ले ली।

एनआईए के फर्जी दस्तावेज भी भेजे : ठग ने बीच में उन्हें एनआईए के फर्जी दस्तावेज भी व्हाट्सएप पर भेज दिए और कॉल काट दी। अंसार ने बताया कि अगले दिन सुबह करीब दस बजे उनके पास व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आई। इस बार दूसरे ठग ने बात की जिसने खुद को एटीएस पुणे का अधिकारी बताया। उसने कहा कि आपका केस ट्रांसफर हो गया है। अब मामले की जांच सीबीआई ऑफिसर करेंगे और हाईकोर्ट के जज से तुमसे बात करेंगे।

मोबाइल पर जैमर लगाने की कही बात : ठग ने दंपती से कहा कि तुमसे फिर पूछताछ की जाएगी। इसके बाद तुम जमानत के लिए याचिका दायर करोगे। डरे सहमे दंपती राजी हो गए। जालसाजों ने कहा तुम्हारे मोबाइल पर जैमर लगा दिया गया है। तुम किसी से कोई बात नहीं कर सकोगे। कुछ देर बाद जालसाजों ने पूछताछ का जाल फेंका जो दस अगस्त को खत्म हुआ। इस बीच आरोपियों ने जांच के बहाने उनसे कई बार में 42 लाख रुपये वसूल लिए। ठगों ने 10 अगस्त की रात करीब 10 बजे कॉल काट दी। एक पल में सब खो जाने के कारण दंपती सदमे में आ गए। उन्होंने किसी तरह से हिम्मत जुटाई और पुलिस से शिकायत की। इंस्पेक्टर आलोक रॉव ने बताया कि मामले की तफ्तीश की जा रही है। पीड़ित की रकम फ्रीज कराने के लिए संबंधित बैंकों से संपर्क किया जा रहा है।

डिजिटल अरेस्ट से कैसे बचें : डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का नया तरीका है। इसमें जालसाज पुलिस, सीबीआई, एनआईए या ईडी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करते हैं। झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं और डर दिखाकर घर बैठे ऑनलाइन नजरबंद जैसा महसूस कराकर पैसे ऐंठते हैं। कानून में डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। अगर आपके पास अनजान नंबर से कॉल आए तो सावधान हो जाएं। खासकर अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल से होशियार रहें।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने आप विधायक पर साधा निशाना, अनिल हत्याकांड में राजनीति करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने आप विधायक

कुलदीप कुमार पर सफाईकर्मी अनिल की हत्या के मामले में करीब तीन दिन तक राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निजी कंपनी में कार्यरत अनिल की हत्या को आप ने दिल्ली सरकार और नगर निगम से जोड़ने का प्रयास किया। कपूर ने आरोप लगाया कि निजी कंपनी ने पहले ही दिन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन विधायक ने राजनीतिक लाभ के लिए परिवार पर दबाव बनाया और दो दिन तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया। विधायक के बयानों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए ले गई और कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद आप नेताओं ने सितंबर 2024 में अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बाद किए गए प्रदर्शन जैसा हंगामा किया। कपूर ने कुलदीप कुमार से दिल्ली की जनता और अनिल के परिजनों से माफी मांगने की मांग की। वहीं, महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि कूड़ा उठाने वाली कंपनी को निर्देशित किया गया है कि 10 लाख रुपये का मुआवज पीड़ित परिवार को दें। साथ ही उनके स्थान पर एक अन्य कर्मी को भी नौकरी दें।

18300 फीट की ऊंचाई पर महिला कैडेटों का साहसिक अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में एनसीसी के अखिल भारतीय बालिका अधिक ऊंचाई दुर्गम पदयात्रा

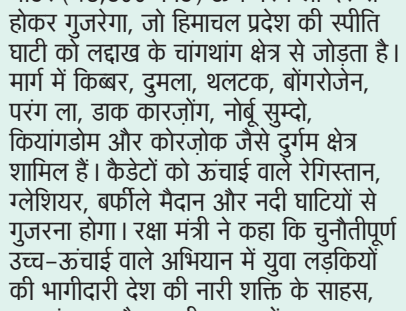

अभियान 'अपराजिता-परंग ला 2026' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान में 28 महिला कैडेट हिस्सा ले रही हैं। करीब 30 दिन में दल हिमालय के दुर्गम इलाकों में लगभग 250 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। अभियान का नेतृत्व तीनों सेनाओं की तीन महिला अधिकारी करेंगी। यह ट्रेक 5,578 मीटर (18,300 फीट) ऊंचे परंग ला दर्रे से होकर गुजरेगा, जो हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ता है। मार्ग में किब्बर, दुमला, थलटक, बोंगरोजेन, परंग ला, डाक कारज़ोंग, नोर्बू सुम्दो, कियांगडोम और कोरज़ोक जैसे दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं। कैडेटों को ऊंचाई वाले रेगिस्तान, ग्लेशियर, बर्फीले मैदान और नदी घाटियों से गुजरना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनौतीपूर्ण उच्च-ऊंचाई वाले अभियान में युवा लड़कियों की भागीदारी देश की नारी शक्ति के साहस, दृढ़ संकल्प और बढ़ती क्षमताओं का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। राजनाथ सिंह ने कैडेटों से सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने तथा स्थानीय समुदायों की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि कैडेट परंग ला से केवल यादगार अनुभव ही नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति की गहरी समझ लेकर लौटेंगी। अभियान का उद्देश्य महिला कैडेटों में नेतृत्व, टीमवर्क, सहनशक्ति, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अपने इंजीनियरिंग कैडर का रास्ता साफ, केंद्र को भेजा प्रस्ताव; भर्ती के लिए बनेगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए अपना इंजीनियरिंग कैडर गठित करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है।

सरकार ने विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा है। केंद्र से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद कैडर गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

केंद्र की मंजूरी आवश्यक लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि स्वतंत्र कैडर के लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली पीडब्ल्यूडी अपने इंजीनियरिंग कैडर के लिए भर्ती नियम तैयार करेगा। अधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था भी बनाई जाएगी। भर्ती नियम तैयार करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) या किसी अन्य पेशेवर संस्था से सलाह लेने की संभावना है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने पिछले साल जुलाई में पीडब्ल्यूडी के लिए अलग कैडर बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद विभाग ने

प्रस्ताव तैयार करने के साथ विभिन्न विभागों से जरूरी मंजूरियां लेने की प्रक्रिया शुरू की।

सरकार ने इस सुधार के तौर-तरीकों पर सुझाव देने के लिए विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों की समिति भी गठित की थी। सरकार का तर्क है कि मौजूदा व्यवस्था में दिल्ली पीडब्ल्यूडी में काम करने वाले कई अधिकारी सीपीडब्ल्यूडी के कैडर नियंत्रण में हैं। बार-बार तबादले और पदस्थापन से परियोजनाओं की निरंतरता प्रभावित होती है। सरकार के मुताबिक इससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी, लागत बढ़ने और जवाबदेही से जुड़ी समस्याएं पैदा होती हैं। प्रस्ताव मंजूर होने पर दिल्ली पीडब्ल्यूडी में तैनात सीपीडब्ल्यूडी से प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अपने मूल कैडर में लौटने अथवा निर्धारित शर्तों के तहत नए दिल्ली पीडब्ल्यूडी इंजीनियरिंग कैडर में स्थायी रूप से शामिल होने का विकल्प दिया जाएगा।

सफाई कर्मचारी हत्याकांड: एक करोड़ की मांग, मिले केवल 10 लाख; पूर्वी दिल्ली में सफाईकर्मियों का फिर काम बंद

नईदिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी की हत्या के बाद तीन दिन तक सफाई व्यवस्था ठप रहने के बाद बुधवार को कर्मचारी काम पर लौटे थे, लेकिन मुआवजे को लेकर एक बार फिर विरोध शुरू हो गया। कर्मचारियों ने कम मुआवजा दिए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार सुबह सीबीडी ग्राउंड में प्रदर्शन किया और काम बंद रखने का निर्णय लिया। कर्मचारियों का कहना है कि कल्याणपुरी में मारे गए सफाई कर्मचारी के परिवार के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की गई थी, लेकिन निगम की ओर से केवल 10 लाख रुपये दिए गए हैं। कर्मचारियों ने कहा कि परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता मिलने तक उनका विरोध जारी रहेगा। तीन दिन की हड़ताल के बाद बुधवार को ही कूड़ा उठाने का काम शुरू हुआ था। इससे पहले तीन दिनों तक कूड़ा नहीं उठने के कारण यमुनापार के कई इलाकों में सड़कों और गलियों के किनारे कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। ऐसे में कर्मचारियों के दोबारा काम बंद करने से सफाई व्यवस्था फिर प्रभावित होने की आशंका है। जोनल चेयरमैन यशपाल कैन्तुरा का कहना है कि सफाई व्यवस्था को दो से तीन दिन में दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, पहले से जमा कूड़े का बैकलॉग पूरी तरह उठाने में करीब एक सप्ताह लग सकता है।

दिल्ली के हरी नगर एक्सटेंशन में 20 दिन से दूषित पानी की समस्या

नईदिल्ली, एजेंसी। हरी नगर एक्सटेंशन के ए ब्लाक में पिछले करीब 20 दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति होने के कारण लोग परेशान हैं। नलों से आने वाला पानी इतना गंदा है कि उसे घरेलू कामकाज में इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो रहा है। पानी में गंदगी और बदबू की शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। दूषित पानी के इस्तेमाल से बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने का डर बना हुआ है। लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड से पाइपलाइन की जांच कराने और पानी की गुणवत्ता की जांच कर जल्द समस्या दूर करने की मांग की है। ए ब्लाक में 500 से अधिक घर हैं जिसमे दो हजार लोग रहते हैं। रोजाना गंदे पानी की आपूर्ति होने के कारण परिवारों को पीने के पानी के साथ-साथ खाना बनाने, कपड़े धोने और अन्य जरूरी कामों के लिए भी बाहर से पानी मंगाना पड़ रहा है। इससे लोगों का अतिरिक्त पैसा खर्च हो रहा है। लोगों ने बताया कि तीन तीन दिन तक पानी नहीं आता है , पानी आता है तो गंदा आता है। कई बार टंकिया साफ करानी पड़ती है लेकिन उसके बाद भी दूसरे दिन गंदा पानी आते है दोबारा टंकी गंदी हो जाती

है। जान पानी आता है पानी चलते है घर में भी दुर्गंध फैल जाती है। करीब 20 दिनों से नलों में साफ पानी नहीं आ रहा है। पानी में गंदगी और बदबू रहती है, इसलिए मजबूरी में बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। पानी की समस्या ने रोजमर्रा का जीवन मुश्किल कर दिया है। घर के काम के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे हर परिवार पर अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है। गंदे पानी को देखकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता होती है। अगर यही पानी लगातार आता रहा तो बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को मौके पर आकर पाइपलाइन की जांच करनी चाहिए।

रिश्तों से परे इंसानियत: चार राज्यों के 4 परिवारों ने एक-दूसरे को किडनी दान कर बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। रिश्तों और भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़कर अलग-अलग राज्यों के चार परिवारों ने एक-दूसरे के मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए किडनी दान की। परिवार

के किसी डोनर की किडनी अपने मरीज से मेल नहीं खा रही थी, इसलिए पेयर एक्सचेंज के जरिये सभी चार मरीजों के लिए उपयुक्त किडनी की व्यवस्था की गई।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल साकेत का दानवा है कि फोर-वे पेयर किडनी एक्सचेंज ट्रांसप्लांट का यह उत्तर भारत का पहला मामला है। चार परिवारों को एक ही एक्सचेंज में जोड़ने के लिए अनुमति की प्रक्रिया में दिल्ली हाई कोर्ट भी जाना पड़ा। मैक्स के प्रो. डा. दिनेश खुल्लर और प्रो. डा. अनंत कुमार के नेतृत्व में मैक्स साकेत तथा बीएलके-मैक्स की टीम ने इस प्रक्रिया को पूरा किया। अस्पताल के अनुसार सभी चार मरीज और डोनर पूरी तरह से स्वस्थ हैं और सभी को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। मैक्स अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार 13 जुलाई को एक साथ पांच आपरेशन थिएटर में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कुल आठ सर्जरी चार डोनरों से किडनी निकालने और चार मरीजों में किडनी प्रत्यारोपित करने के लिए की गई। मरीज और डोनर की सही जोड़ी बनाने के लिए एलायंस फार पेयर्ड किडनी डोनेशन (एपीकेडी) साफ्टवेयर की मदद ली गई। नागालैंड की 34 वर्षीय त्सुत्संगला पोंगेन को दूसरी बार किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता थी, लेकिन उनके भाई एरिकोकबा की किडनी उनके शरीर में बनी एंटीबाडी के कारण प्रत्यारोपित नहीं की जा सकती थी। जम्मू-कश्मीर के 47 वर्षीय अब्दुल रऊफ भट और उनकी बहन नाजनीन रहमान की किडनी का मैच नहीं था। दिल्ली की 46 वर्षीय शिवानी खुराना को उनके पति वरुण खुराना चिकित्सकीय कारणों से किडनी नहीं दे पा रहे थे। बिहार के 34 वर्षीय लाल बहादुर और उनकी पत्नी निधि कुमारी का ब्लड ग्रुप मेल नहीं खाता था। वरुण खुराना ने नागालैंड की त्सुत्संगला पोंगेन को किडनी दी। नागालैंड के एरिकोकबा पोंगेन ने बिहार के लाल बहादुर को, बिहार की निधि कुमारी ने जम्मू-कश्मीर के अब्दुल रऊफ भट को तथा जम्मू-कश्मीर की नाजनीन रहमान भट ने दिल्ली की शिवानी खुराना को किडनी दी।

पत्नी बुशरा बीबी और बहन से 9 महीने में पहली बार मिले इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 9 महीने के लंबे अंतराल के बाद पहली बार अपनी पत्नी बुशरा बीबी और बहन से मुलाकात की।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इमरान खान की गिरती सेहत पर चिंता जताए जाने और परिजनों को हर हफ्ते मिलने की अनुमति दिए जाने के बाद यह मुलाकात संभव हो सकी।

कॉफ्रेंस रूम में 15 मिनट हुई बातचीत

पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान की बहन नोरिन नियाजी ने जेल के कॉन्फ्रेंस रूम में उनसे करीब 15 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच खान के स्वास्थ्य और कानूनी स्थिति पर चर्चा हुई। बहन नोरिन ने इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी भी दी। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि इमरान खान को दो दिनों के भीतर मेडिकल जांच के लिए इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाया जाए और 16 सितंबर तक वहीं रखा जाए।

राजनीतिक बयानबाजी पर सख्त हिदायत

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि इस मुलाकात का इस्तेमाल किसी भी तरह के राजनीतिक फायदे या बयानबाजी के लिए नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी गई है कि नियम का उल्लंघन होने पर दी गई राहत वापस ली

जा सकती है।

यही वजह रही कि खान की अन्य बहनों, अलीमा खान, उजमा खान और उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं को मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

पत्नी बुशरा बीबी से भी हुई मुलाकात

जेल सूत्रों के मुताबिक, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के बीच भी कॉन्फ्रेंस रूम में करीब 35 से 40 मिनट तक मुलाकात हुई। इसके अलावा, बुशरा बीबी ने अपनी पहली शादी से हुए बच्चों और अपनी ननद मेहरुन्निसा से भी अलग से मुलाकात की।

गौरतलब है कि इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं। अदालत अब 16 सितंबर को खान के निजी अस्पताल में इलाज की याचिकाओं पर दोबारा सुनवाई करेगी।

बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद आदेश

बता दें कि पाकिस्तानी कोर्ट का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने चेतावनी दी थी कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके परिवार और निजी डॉक्टरों से मिलने नहीं दिया गया, तो बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इमरान खान की मेडिकल रिपोर्ट में क्या सामने आया?

अदियाला जेल के अधीक्षक द्वारा सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, 73 वर्षीय इमरान खान का स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट में इमरान खान में एंग्जाइटी और पैनिक के गंभीर लक्षण बताए गए हैं। उनकी एंग्जाइटी का स्तर %थ्री प्लस% दर्ज किया गया है, जिसे मनोवैज्ञानिक रूप से बेहद गंभीर माना जाता है। मेडिकल जांच के दौरान उनका ब्लड प्रेशर 140/80 और पल्स रेट 54 प्रति मिनट दर्ज की गई। उनकी ईसीजी सामान्य पाई गई है और दिल के वाल्व व चैंबर भी ठीक हैं। हालांकि, उन्होंने सिर में भारीपन और दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत की थी। इतना ही नहीं रिपोर्ट के अनुसार, उनकी एक आंख का इलाज नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा किया गया है और वह अब लगभग सामान्य हो चुकी है।

मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान से क्या सिफारिशें की?

इस बात को ऐसे समझिए कि मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान को प्रतिदिन एक घंटा टहलने, मानसिक रूप से तनावमुक्त रहने वाली गतिविधियां करने और पढ़ने के लिए किताबें, समाचार पत्र व पत्रिकाएं उपलब्ध कराने की सिफारिश की है। बोर्ड का मानना है कि परिवार और पत्नी के साथ मेल-जोल बढ़ाने से उनकी एंग्जाइटी और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मनोवैज्ञानिक डॉ. रियाज भट्टी ने इस स्थिति पर बात करते हुए बताया कि एंग्जाइटी का स्तर तीन से अधिक होना गंभीर चिंता और घबराहट की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक एकांतवास और लोगों से मेल-जोल न होने के कारण यह तनाव और अधिक बढ़ जाता है। इस कारण व्यक्ति निराश और अवसादग्रस्त महसूस कर सकता है। इसका एकमात्र समाधान यही है कि रोगी को अपनों से बातचीत करने का अवसर दिया जाए और उसके आसपास का माहौल सकारात्मक बनाया जाए।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का

सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

पिया डांडिया कौन हैं

उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, डांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी हैं। उन्होंने हाई स्कूल प्रिंसिपल, नीति क्षेत्र की नेता और तकनीक के क्षेत्र में नई पहल करने वाली शख्सियत के तौर पर समुदायों को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा करियर समर्पित किया है। डांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की और हार्लेम में हाई स्कूल प्रिंसिपल रहीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों की जिंदगी की दिशा बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पर लाना था। उनके हाई स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में दाखिला मिला। इनमें से 86 प्रतिशत छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक बनी थीं। इस वजह से वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल प्रिंसिपलों में से एक थीं।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इविंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला

टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे

राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं

मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

संपादकीय | श्रद्धालुओं की 'सुरक्षा' का जिम्मेदार कौन?

देश में जब कभी भगदड़ की कोई घटना होती है, तो सरकार की ओर से आश्वासनों के जरिए यही संदेश दिया जाता है कि भविष्य में इस तरह के हादसों से बचने के लिए व्यवस्था में सुधार कर पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। मगर इन दावों की हकीकत तब सामने आती है, जब कुछ दिन बाद दूसरी जगह इसी तरह का हादसा हो जाता है।

इसका ताजा उदाहरण बिहार के लखीसराय जिले में अशोक धाम मंदिर के पास सोमवार सुबह देखने को मिला, जहां रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चौदह अन्य घायल हो गए। इसी तरह उज्जैन के महाकालेश्वर परिसर में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ के बीच भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे कई लोगों को चोटें आईं। जाहिर है कि इस तरह के हादसों से न तो सरकार और न ही मंदिर प्रबंधन या धार्मिक समागम के आयोजक कोई सबक लेते हैं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि भगदड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या पीड़ित परिवारों को कुछ रुपए की आर्थिक मदद ही उनके लिए न्याय के समान है!

यह बात छिपी नहीं है कि देश भर में आए दिन भगदड़ की घटनाओं में लोगों की जान जाने का सिलसिला वर्षों से जारी है। खासकर धार्मिक स्थलों पर इस तरह के हादसे आम हो गए हैं। पिछले दो वर्षों की प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें, तो उत्तर प्रदेश के हाथरस में जुलाई, 2024 में एक धार्मिक समागम में हुई भगदड़ में सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। पिछले वर्ष जनवरी में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र में मची भगदड़ से तीस लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद

फरवरी में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण इसी तरह के हादसे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। गत वर्ष जुलाई में हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में छह श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया था। सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बार-बार आश्वासनों के बावजूद धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हो पा रहे हैं?

किसी भी स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीरता और संवेदनशीलता नजर क्यों नहीं आती है? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि एक ओर विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, ताकि इस क्षेत्र को राजस्व के एक बड़े स्रोत के रूप में विकसित किया जा सके। मगर इसके समांतर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मोर्चे पर कोई विशेष इंतजाम नजर नहीं आते हैं।

खबरों के मुताबिक, अशोक धाम रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना उस समय हुई, जब श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव में अवरोधक का एक हिस्सा टूट गया और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। सवाल है कि स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए माकूल व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी। ऐसे अवरोधक क्यों लगाए गए, जो भीड़ का दबाव झेलने में सक्षम नहीं थे?

जाहिर है कि इसके लिए स्टेशन पर तैनात कर्मियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। किसी भी धार्मिक स्थलों पर विशेष मौकों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ना कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब तक व्यवस्था में खामियों और वैकल्पिक प्रबंधों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक इस तरह के हादसों का सिलसिला थमने की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश को आजादी मिलने के बाद बीते करीब आठ दशक का सफर जहां बहुस्तरीय विकास का जीवंत उदाहरण है, वहीं इस दौरान लोगों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी देखे। मगर इस सबके बीच एक संकल्प कायम रहा कि जिन तूफानों और मुश्किलों का सामना करके देश ने स्वतंत्रता हासिल की थी, उसकी गरिमा को कायम रखना और भविष्य को ज्यादा बेहतर बनाना सभी का दायित्व है।

यात्रियों की सेहत से खिलवाड़

रेलवे स्टेशनों से लेकर ट्रेन में सफर के दौरान परोसे या बेचे जाने वाले खानपान की घटिया गुणवत्ता के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। मगर कैग की रिपोर्ट में पीने के पानी में भी जिस तरह की गड़बड़ी बताई गई है, उससे व्यापक लापरवाही का ही पता चलता है।गौरतलब है कि हाल ही में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की एक रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए कि देश के कई रेलवे स्टेशनों के पानी में ई-कोलाई और कोलीफार्म जैसे जीवाणु पाए गए हैं। इस दौरान पांच सौ बारह स्टेशनों की जांच में चार सौ अट्ठावन पर जरूरी यात्री सुविधाओं की कमी मिली।रेल महकमा समय-समय पर किराया बढ़ाने को लेकर तो जरूरत से ज्यादा सजग दिखता है, लेकिन स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे जरूरी चीज की भी उपलब्धता सुनिश्चित करने की उसे शायद कोई फिक्र नहीं है। लोगों को या तो स्टेशन पर लगे नल से असुरक्षित पानी पीना पड़ता है या फिर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।अब भले रेलवे ने पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की बात कही है, लेकिन यह कब संभव होगा, यह देखने की बात होगी। यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से अपने गंतव्य के लिए निकले लोग कई बार एक या दो दिन की लंबी यात्रा भी करते हैं। इस दौरान पानी न मिलने या फिर दूषित पेयजल की वजह से लोगों की सेहत बिगड़ने के मामले जब-तब सामने आते रहते हैं।सवाल है कि अगर टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे बुनियादी चीज भी मुश्किल से मिल पाती है, तो सरकार किस भरोसे भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के दावे करती रहती है! कुछ महंगी और अति-महत्त्वपूर्ण मानी जाने वाली ट्रेनों को छोड़ दें, तो क्या साधारण लोगों के लिए भी रेल यात्रा उतनी ही सहज या सुकूनदेह रह गई है?ट्रेन में सीट पर आराम से बैठ कर यात्रा कर पाना जहां चुनौती बन चुकी है, वहीं सफर के दौरान खाने-पीने का सामान कैसा मिलता है, यह अब कोई छिपी हकीकत नहीं रह गई है।

आज का कार्टून

बारिश होते ही ताश के पत्तों की तरह ढहने लगती हैं इमारतें

देश के विभिन्न भागों में जर्जर इमारतों के गिरने से जन हानि के मामले प्राय- सामने आते रहते हैं। बारिश के मौसम में ऐसे हादसे ज्यादा होते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के भिवंडी में जर्जर इमारत गिरने से दस लोगों की मौत हो गई। यह वही इमारत थी जिसे खतरनाक इमारतों की सूची में शामिल कर लिया गया था। मगर वहां रह रहे लोगों को हटाया नहीं जा सका। परिणामतः दस लोगों की जान चली गई। दिल्ली और जयपुर भी ऐसे हादसों से अछूती नहीं हैं। देश के दूसरे भागों में भी ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

ज्ञान चंद पाटनी

पिछले वर्ष बारिश के दौरान जयपुर में इमारत ढहने से पिता-पुत्री की मौत हो गई थी। हाल ही में जोधपुर में एक जर्जर मकान की छत गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई। पिछले दिनों दिल्ली में एक मकान की छत गिरने से दंपति की जान चली गई थी। इससे साफ है कि नागरिकों की सुरक्षा को लेकर कहीं कोई सजगता और सक्रियता नहीं दिख रही है। इस बात को समझना होगा कि विकास का अर्थ सिर्फ नई इमारतें खड़ी करना नहीं, बल्कि पुरानी और कमजोर इमारतों को सुरक्षित बनाना भी आवश्यक है।

जर्जर मकानों की समस्या अब केवल नगर-प्रशासन का विषय नहीं रही, बल्कि यह जन सुरक्षा के लिए बड़ा संकट बन चुकी है। पुराने खस्ताहाल मकान हर साल खासकर बरसात के मौसम में लोगों की जान के लिए खतरा बन जाते हैं। कई जगहों पर इमारतें अचानक गिर जाती हैं। दीवारें ढह जाती हैं और छतें बैठ जाती हैं। ऐसे हादसे से जुड़ा पूरा इलाका दहशत में आ जाता है। यह समस्या खास तौर पर उन शहरों में ज्यादा गंभीर है, जहां आबादी घनी है और पुरानी बस्तियां हैं।

जर्जर इमारतों के बारे में सभी को पहले से पता होता है, फिर भी कार्रवाई समय पर नहीं होती। नगर निकाय नोटिस जारी करते हैं, इमारत को खतरनाक घोषित किया जाता है। मगर खाली कराने, गिराने या पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक अटकी रहती है। इस बीच लोग मजबूरी में वहीं रहते हैं, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प नहीं होता। इस तरह यह समस्या मजबूरी, गरीबी और प्रशासनिक सुस्ती का मिला-जुला रूप है।

इस तरह के हादसे अचानक नहीं होते। असल में लंबे समय से चल रही उपेक्षा के कारण इमारतें गिरती हैं। दीवारों में दरारें, छत से रिसाव या लगातार नमी स्पष्ट दिखाई देती है। इन संकेतों की जब अनदेखी होती है और इमारत की मरम्मत नहीं करवाई जाती, तब थोड़ी-सी बारिश में या किसी हिस्से पर अतिरिक्त दबाव पड़ने पर वह भरभरा कर गिर जाती है।

आमतौर पर स्थानीय निकाय मानसून के समय ऐसे मकानों की सूची तैयार करने की रस्म निभाता है, लेकिन कार्रवाई के मामले में उसकी सक्रियता में गंभीरता नहीं दिखती। इसकी एक बड़ी वजह प्रशासनिक जटिलता है। कई भवनों में मालिक और किराएदार के बीच विवाद होते हैं। कुछ मामलों में अदालती मुकदमे लंबित रहते हैं। किराएदार जब घर खाली करने से इनकार कर देता है, तो मकान मालिक इमारत की मरम्मत पर ध्यान नहीं देता।

जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों के शिकार आमतौर पर किराएदार और अन्य गरीब लोग ही होते हैं। संपन्न वर्ग के लोग तो ऐसी खतरनाक इमारतों को छोड़ कर दूसरी जगह बस जाते हैं। कम आय वाले परिवारों के पास इस तरह का विकल्प नहीं होता। वे जोखिम के बावजूद उसी घर में रहने को मजबूर रहते हैं। जर्जर इमारत खाली कराने के बाद लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कागजी कार्रवाई और भागदौड़ करनी पड़ती है। इसलिए अधिकारी नोटिस देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं, लेकिन हकीकत में जोखिम जस का तस रहता है।

बरसात जर्जर मकानों के लिए सबसे बड़ा संकट साबित होती है। सीलन के जरिए पानी दीवारों और नींव में उतरता है। इससे प्लास्टर ढीला पड़ता है, छत कमजोर होती है और लकड़ी या धातु खराब होने लगती है। यही वजह है कि बारिश के मौसम में ऐसे हादसों की संख्या बढ़ जाती है। प्रशासन को अपनी लापरवाही छिपाने का बहाना मिल जाता है। वह मौसम को दोष देकर अपनी जिम्मेदारी से साफ बच जाता है।

यदि किसी मकान की संरचना मजबूत हो, जल निकासी ठीक हो और समय पर मरम्मत होती रहे, तो भारी बारिश भी उसे नहीं गिरा सकती। सच यह है कि बारिश जर्जर इमारत के लिए अंतिम झटका होती है। जाहिर है हादसे के लिए जमीन तो पहले से तैयार होती है, इसकी जानकारी नगर निकाय, स्थानीय प्रशासन ही नहीं, इमारत में रहने वालों को भी होती है। भिवंडी में एक इमारत का मामला इसका उदाहरण है। यहां सितंबर 2020 में जिलानी बिल्डिंग ढह गई थी। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। नगर निगम ने ठीक उसी वक्त दूसरी इमारत को 'खतरे वाली' इमारतों की सूची में डाला था। फिर भी उसे खाली नहीं करवाया गया और न ही इसके पुनर्निर्माण के लिए कदम उठाए गए। इसके बजाय अनधिकृत रूप से इमारत में मरम्मत का काम किया गया।

समस्या के समाधान में संसाधनों की कमी भी बड़ी बाधा है। ज्यादातर नगर निकायों के पास इतने निरीक्षक, इंजीनियर या तकनीकी विशेषज्ञ नहीं होते कि वे नियमित रूप से पुरानी इमारतों की स्थिति पर नजर रख सकें। यही वजह है कि खतरनाक इमारतों की पहचान तो हो जाती है, लेकिन उनका वैज्ञानिक आकलन और पुनर्वास या गिराने का काम समय पर नहीं हो पाता। यह स्थिति खासकर पुराने शहरों, तंग गलियों और घनी आबादी वाली बस्तियों में ज्यादा गंभीर है।

यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि समस्या का समाधान नोटिस जारी करना नहीं है। सबसे पहले खतरनाक इमारतों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना चाहिए और उनकी श्रेणीबद्ध सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए। जिन मकानों को बेहद खतरनाक घोषित किया गया है, उनको समयबद्ध खाली कराने, गिराने या पुनर्निर्माण के लिए स्पष्ट योजना बननी चाहिए। जिन परिवारों के पास वैकल्पिक आवास नहीं है, उनके लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है।

नगर निकायों को अपनी जवाबदेही समझनी होगी। केवल भवन मालिक को दोषी ठहराने से काम नहीं चलेगा, क्योंकि सार्वजनिक सुरक्षा की निगरानी राज्य की जिम्मेदारी है। देश के विभिन्न भागों में खतरनाक इमारतों को समय रहते हटाने के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। इससे कई लोगों की जान बचाई जा सकती है और विकास के चेहरे को उजला किया जा सकता है।

सच्चा विकास वही है जिसमें हर परिवार अपनी छत के नीचे सुरक्षित महसूस करे। गौरतलब है कि देशभर में कई स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी आवास और कार्यालय जर्जर स्थिति में हैं। ऐसे खस्ताहाल भवन ही हादसों की वजह बनते हैं। बेहतर यही होगा कि सरकारी ही नहीं, जर्जर निजी इमारतों के लिए भी राष्ट्रीय नीति बनाई जानी चाहिए। वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन बुनियादी समस्याओं का समाधान किए बिना यह लक्ष्य पाना असंभव होगा।

मनुष्य अपने जीवन को अपनी इच्छाशक्ति की विजय मानकर चलता है। उसे विश्वास होता है कि उसने जो पाया, अपनी मेहनत से पाया और जो खोया, वह भी उसके अपने निर्णयों का परिणाम था। वह स्वयं को अपने जीवन का निर्माता समझता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, अनुभव गहराते हैं और पीछे मुड़कर देखने की दृष्टि विकसित होती है, वैसे-वैसे एक असहज सत्य सामने आने लगता है- 'जीवन की सबसे बड़ी घटनाओं का निर्णय हमने कभी किया ही नहीं।

जीवन का कड़वा सच

मेघा राठी

हम केवल उन निर्णयों के सहभागी बने और समय आने पर उन पर अपने हस्ताक्षर करते चले गए।' शायद इसी अर्थ में कहा जा सकता है कि मनुष्य का पूरा जीवन दरअसल इस्तीफों का इतिहास है। हम इस्तीफे को केवल नौकरी छोड़ने से जोड़कर देखते हैं। हमें लगता है कि इस्तीफा एक कागज पर लिखा जाने वाला औपचारिक पत्र है, लेकिन अगर जीवन को ध्यान से पढ़ा जाए तो पता चलता है कि हम जन्म से लेकर मृत्यु तक अनगिनत बार इस्तीफा देते हैं।

अंतर केवल इतना है कि उन इस्तीफों पर कागज नहीं होते, केवल समय की मुहर होती है। अपने बचपन को याद किया जा सकता है। मिट्टी के खिलौने, बारिश में भीगना, बिना कारण हंस देना, मां की गोद में सो जाना, छोटी-छोटी बातों पर रूठ जाना। क्या किसी बच्चे ने कभी तय किया था कि अब उसे इन सब बातों से विदा लेनी है? नहीं, एक दिन स्कूल की किताबें भारी होने लगीं, जिम्मेदारियां बढ़ गईं और बचपन बिना अनुमति लिए चला गया। हमें उससे इस्तीफा देना पड़ा। फिर यौवन आयाज सपनों से भरा हुआ, ऊर्जा से लबालब। लगता था कि शरीर कभी थकेगा नहीं और समय कभी बदलेगा नहीं, लेकिन समय ने वहां भी हमारी राय नहीं पूछी। चेहरे पर झुर्रियों की पहली रेखा खिंची, बालों का रंग बदलने लगा, आंखों पर चश्मा चढ़ गया और हमें अपनी ही जवानी से इस्तीफा देना पड़ा। यह संसार का शायद सबसे मौन इस्तीफा है, जिसके बारे में कोई घोषणा नहीं होती, लेकिन जिससे कोई बच भी नहीं सकता। हम रिश्तों में प्रवेश करते हैं और मान लेते हैं कि अब यह साथ हमेशा रहेगा। मित्र, प्रेम, विवाह, परिवारज सब हमें स्थायी लगने लगते हैं, लेकिन जीवन का नियम स्थायित्व नहीं, परिवर्तन है। कोई दूर चला जाता है, कोई बिछड़ जाता है, कोई बदल जाता है और कई बार हम स्वयं बदल जाते हैं। तब भी हमें एक रिश्ते से इस्तीफा देना पड़ता है। यह इस्तीफा सबसे अधिक पीड़ा देता है, क्योंकि इसमें दस्तखत हाथ नहीं, हृदय करता है। नौकरी का उदाहरण तो हर व्यक्ति के सामने है। कोई अपनी पूरी जवानी किसी संस्था को दे देता है। अपनी प्रतिभा, अपना समय, अपनी ऊर्जा, यहां तक कि अपना स्वास्थ्य भी। उसे लगता है कि यही उसकी पहचान है। फिर एक दिन सेवानिवृत्ति का आदेश आता है। कोई पूछता नहीं कि अभी मन है या नहीं। बस एक हस्ताक्षर होते हैं और दशकों का साथ समाप्त हो जाता है। जिस कुर्सी को हम अपना समझ बैठे थे, वह अगले दिन किसी और की हो जाती है। क्या इन घटनाओं का निर्णय हमने किया था? क्या हमने तय किया था कि किस घर में जन्म लेना है? क्या हमने अपने माता-पिता चुने थे? क्या हमने अपनी पहली सांस का समय निश्चित किया था? क्या हमने तय किया कि हमारा बचपन कब समाप्त होगा, यौवन कब ढलेगा या बुढ़ापा कब आएगा? अगर उत्तर 'नहीं' है, तो फिर यह स्वीकार करना भी पड़ेगा कि जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा हमारी इच्छा से नहीं, समय के विधान से चलता है। यहीं से एक अत्यंत सुंदर प्रतीक जन्म लेता है 'हस्ताक्षर'। किसी सरकारी फाइल में आदेश ऊपर लिखा जाता है। नीचे केवल हस्ताक्षर करने होते हैं। हस्ताक्षर करने वाला आदेश का लेखक नहीं होता, केवल उसका स्वीकारकर्ता होता है। शायद मनुष्य की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है।

समय आदेश लिखता है, प्रकृति उसे लागू करती है और मनुष्य केवल उसके नीचे अपना नाम लिख देता है। यह विचार पहली दृष्टि में मनुष्य को असहाय बना सकता है, पर वास्तव में ऐसा नहीं है। भारतीय दर्शन कभी भी भाग्यवाद का समर्थन नहीं करता। वह कहता है कि कर्म तुम्हारे हाथ में है, लेकिन फल का विधान व्यापक है। अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा भ्रम है। पद मिलने पर वह स्वयं को अजेय समझने लगता है। सौंदर्य मिलने पर उसे लगता है कि यह हमेशा रहेगा। धन मिलने पर उसे विश्वास हो जाता है कि दुनिया उसकी मुट्ठी में है, लेकिन समय किसी परिचय का मोहताज नहीं होता। वह राजा और रंक, दोनों से एक ही दिन इस्तीफा लेता है। संसार के महानतम सम्राट भी अपने सिंहासन बचाकर नहीं रख सके। सबसे बड़े कलाकार अपनी तालियां साथ नहीं ले गए। तब हम किस बात का अभिमान करें? शेक्सपियर ने लिखा था, 'सारा संसार एक रंगमंच है और हम सब अभिनेता हैं।' आज का मनुष्य इसलिए बेचैन है कि वह हर उस चीज को स्थायी बनाना चाहता है, जो स्वभाव से अस्थायी है। वह चाहता है कि उसका यौवन कभी समाप्त न हो, उसके प्रियजन कभी दूर न जाएं, उसकी नौकरी कभी न छूटे, उसकी सफलता हमेशा बनी रहे, लेकिन जीवन का पूरा सौंदर्य ही परिवर्तन में छिपा है। अगर ऋतुएं न बदलें, तो प्रकृति मर जाए, समय ठहर जाए तो जीवन भी ठहर जाएगा। मनुष्य अपने साथ कुछ भी लेकर नहीं जाता। न पद, न प्रतिष्ठा, न संपत्ति, न पहचान अगर कुछ बचता है, तो केवल उसके कर्मों की सुगंध और लोगों के मन में छोड़ी गई उसकी स्मृतियां। इसलिए शायद जीवन का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हमने कितनी संपत्ति अर्जित की या कितनी प्रसिद्धि पाई। असली प्रश्न यह है कि जिन भूमिकाओं के लिए हमें इस धरती पर भेजा गया, क्या हमने उन्हें पूरी ईमानदारी से निभाया! संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है।

600वें टेस्ट में भारत ने दर्ज की जीत, श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को दी उड़ान

गॉल (एजेंसी)। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली।

सुथार को एक ओवर में 3 विकेट

मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

● **पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए** – भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।

दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए

भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए।

श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक

श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

मानव सुथार को दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट

मानव सुथार ने पहली बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने श्रीलंका की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। वे विदेश में भारत के लिए एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले सातवें स्पिनर बने।सुथार की उम्र 24 साल 16 दिन थी। वे 28 साल की उम्र से पहले विदेशी टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल

ऑस्ट्रेलिया– पीसीटी – 77.78	भारत- पीसीटी– 53.33
साउथ अफ्रीका– पीसीटी– 75.00	श्रीलंका- पीसीटी– 33.33
न्यूजीलैंड– पीसीटी– 72.22	इंग्लैंड- पीसीटी– 24.36
बांग्लादेश- पीसीटी– 66.67	पाकिस्तान- पीसीटी– 22.22

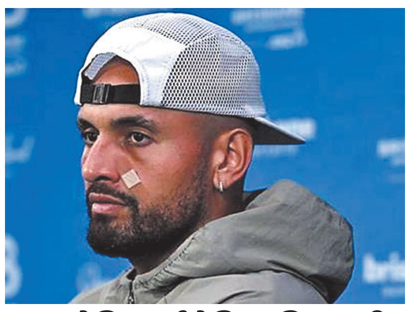

ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस कोकीन जांच में पाए गए पॉजिटिव

अस्थायी रूप से निलंबित

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने बुधवार को खुलासा किया कि उनका कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आया है और उन्हें अस्थायी रूप से टेनिस से निलंबित कर दिया गया है। किर्गियोस 2022 विंबलडन के एकल फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारकर उप विजेता रहे थे। 31 वर्षीय किर्गियोस लगातार चोटों के कारण विश्व रैंकिंग में अभी 919वें स्थान पर काबिज है। किर्गियोस ने सोशल मीडिया पर इस मामले की जानकारी साझा की। उन्होंने जून में आयोजित एक निचेल स्तर के टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए लिखा, हाल में मल्लोर्का में मेरा ड्रग परीक्षण पॉजिटिव आया जिसमें मैं कोकीन के लिए पॉजिटिव मिला। उन्होंने कहा, मैंने बहुत बड़ी गलती की और इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।% प्रतियोगिताओं के दौरान कोकीन को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ माना जाता है। हालांकि प्रतियोगिता से बाहर इसके इस्तेमाल के मामलों में कम सजा का प्रावधान हो सकता है। किर्गियोस ने कहा कि पिछले दो वर्षों से चोटों से जूझने के कारण अपने करियर के अंतिम दौर के करीब पहुंचने की वास्तविकता को स्वीकार करना उनके लिए मुश्किल रहा है। उन्होंने कहा, कई बार मैंने खुद को असहाय और अकेला महसूस किया है। लेकिन इनमें से कोई भी बात मेरे किए को सही नहीं ठहराती। पिछले महीने किर्गियोस को विंबलडन में युगल खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था। उन्होंने अलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई, लेकिन पहले ही दौर में हार गए।

हैरी ब्रुक नंबर-1 टेस्ट बैटर बने हेड चौथे पर फिसले

बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर–1 बॉलर, गिल वनडे के टॉप बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने 19 अगस्त को मेंस वीकली रैंकिंग जारी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश की ऐतिहासिक 9 विकेट की जीत का असर रैंकिंग में देखने को मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में फिर नंबर-1 बन गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में लगातार 21 महीने से नंबर-1 बने हुए हैं। बुमराह ने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल किया था और तब से इसे बरकरार रखा है। उनके खाते में 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, वनडे बैटर्स की रैंकिंग में शुभमन गिल टॉप पर बने हुए हैं।

हेड को खराब प्रदर्शन का नुकसान

डार्विन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड केवल 22 और 17 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के कारण हेड पहले से चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके स्थान गंवाने का फायदा इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को मिला, जिन्होंने टॉप पर वापसी कर ली है।ब्रूक के बाद इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टॉप 4 बल्लेबाजों के बीच केवल 33 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है।

गेंदबाजी में बुमराह नंबर-1 पर बरकरार

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।दूसरी ओर डार्विन टेस्ट में 9 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने बांग्लादेश के हसन महमूद 26 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले मेहदी हसन मिराज 3 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

जडेजा 2022 से टेस्ट के टॉप ऑलराउंडर

रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 320 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 270 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का धमाकेदार प्रदर्शन

हैट्रिक सहित झटके कुल 7 विकेट

मुल्तान (एजेंसी)। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने हैट्रिक लेकर पाकिस्तान ग्रीन्स की कमर तोड़ दी। शाहीन ने यह उपलब्धि ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने लगातार गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट किया।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने उस ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को तेज इन-डिपर से एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने मिर्जा को धीमी गेंद से चकमा दिया, जिससे मिर्जा ने गेंद को हवा में उछाल दिया और गेंद सीधे गेंदबाज़ के हाथों में आसान कैच के रूप में चली गई। शाहीन ने हसनैन को जबरदस्त यॉर्कर डालकर अपनी हैट्रिक पूरी की। हसनैन गेंद को समझ नहीं पाए और गेंद सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई। इस हैट्रिक के साथ शाहीन का नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पूरा हुआ। उन्होंने 8.3 ओवर में 7/36 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

शाहीन के शानदार प्रदर्शन में मुबाशिर खान, फैसल अकरम और साथी तेज गेंदबाज रजाउल्लाह का भी साथ मिला, जिससे गोल्ड टीम ने ग्रीन्स को 37.3 ओवर में 239 रन पर ऑल आउट कर दिया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शामिल हुसैन और साद खान के शतकों की बदौलत गोल्ड टीम ने 50 ओवर में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में गोल्ड के लिए मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज साद सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 102 गेंदों पर तेज़ गति से 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनके बाद हुसैन का नंबर रहा, जिन्होंने 93 गेंदों पर 111 रन बनाए; उनकी पारी में भी इतने ही चौके-छक्के शामिल थे। इनके अलावा, ओपनर मुहम्मद अखलाक (31) और मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाजों अब्दुल समद (25) और मुबाशिर खान (21) ने भी फाइनल मैच में गोल्ड के कुल स्कोर में अहम योगदान दिया।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

● सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

वेस्ली सो से बराबरी, एक राउंड बाकी – राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और एमवीएल के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है।

● **रुई लोपेज से शुरुआत, 27 चाल में जीते** – प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

● **दिव्या देशमुख 4 अंक के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर** – चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आखिरी राउंड में खिताब का फैसला

सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड

● सेरेना के लिए एक जगह रोकी, 46 की उम्र में फिर उतरेंगी

यूएस (एजेंसी)। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है।

यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।सेरेना विलियम्स के सिंगल्स में खेलने के फैसले के लिए यूएस ओपन का आखिरी वाइल्ड कार्ड रोका गया है।

46 साल की उम्र में यूएस ओपन खेलेंगी वीनस – 46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए र ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

चार साल बाद साथ डबल्स खेलीं, सिनसिनाटी में हारीं

वीनस और सेरेना ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन में डबल्स मैच खेला। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार था जब दोनों बहनें किसी टूर्नामेंट में साथ डबल्स खेल रही थीं। हालांकि, उन्हें मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टियर्न्स के खिलाफ टाई-ब्रेकर में हार मिली।दोनों बहनों ने विंबलडन में भी साथ डबल्स खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन सिंगल्स मैच के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था।

वीनस ने 2000 और 2001 में यूएस ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच हार चुकी हैं।

सेरेना ने विंबलडन में की थी वापसी – 44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 यूएस ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी।

अब यूएस ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है।

स्लोएन स्टीफंस समेत 6 और खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड – 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस समेत 6 अन्य खिलाड़ियों को भी विमेंस सिंगल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। अन्य खिलाड़ियों में कैरल यंग सुह ली, रीज ब्रांटमायर, 17 साल की थिया फ्रॉडिन, फ्रांस की लियोलिया जीनजीन और ऑस्ट्रेलिया की टायला प्रेस्टन शामिल हैं। विमेंस ड्रॉ में एक वाइल्ड कार्ड की घोषणा अभी बाकी है।

मोनफिल्स आखिरी ग्रैंड स्लैम खेलेंगे

मेंस सिंगल्स में 39 साल के फ्रांस के गेल मोनफिल्स और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन को वाइल्ड कार्ड मिला है। मोनफिल्स सितंबर में 40 साल के हो जाएंगे और इस सीजन के अंत में संन्यास लेंगे। पोपिरिन ने 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई थी। अमेरिका के मार्टिन डैम जूनियर, माइकल झेंग, जे.जे. वुल्फ, सेबेस्टियन गोरज्नी और 18 साल के जैक कैनेडी को भी वाइल्ड कार्ड मिला है। मेंस ड्रॉ में भी एक जगह की घोषणा बाकी है। यूएस ओपन का मुख्य ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। इससे पहले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

सात्विक-चिराग को वॉकओवर मिला, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने दूसरे दौर में वॉकओवर मिलने के बाद बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप में पहले दो कांस्य पदक जीत चुकी पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी तथा दूसरे दौर में उनका मुकाबला स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल से होना था। स्कॉटलैंड की

जोड़ी ने हालांकि आखिरी क्षण में नाम वापस ले लिया, जिससे सात्विक और चिराग को कोर्ट में उतरे बिना ही राउंड ऑफ 16 में जगह मिल गई।

तनीशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी मकाऊ के लियोन इओक चोंग और एनजी वेंग ची को 21-11 21-11 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय खिलाड़ियों में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन को भी बुधवार को अपने मैच खेलने हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670